जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 25 नवम्बर, 2023

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की सभी व्यवस्था पुख्ता

भाजपा और कांग्रेस में कड़े मुकाबले के बीच मतदान 7 बजे से शुरू चुनावी प्रचार की भारी गहमागहमी के बाद राजस्थान विधान सभा के लिए शनिवार 25 नवम्बर 2023 को मतदान होने जा रहा है। 200 सीटों वाली राजस्थान विधानसभा की 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होगा, जबकि श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की मृत्यु होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले 2018 और 2013 में भी एक सीट पर चुनाव नहीं कराए गए थे।

भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में मतदान की पुख्ता व्यवस्था की है। मतदान 25 नवम्बर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक संपन्न होगा। चुनाव में प्रदेशभर में स्थापित 51 हजार 507 मतदान केंद्रों पर 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। पांच साल में प्रदेश में करीब 51 लाख 42 हजार मतदाता बढ़े हैं। वहीं 18-19 साल के 22 लाख 71 हजार 647 वोटर इस चुनाव में पहली बार मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने प्रदेश के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए अपने क्षेत्र के मतदान बूथ पर पहुंच कर अपना मतदान करें। उन्होंने कहा मतदान आपका अधिकार और कर्तव्य है। 25 नवम्बर छुट्टी का दिन नहीं, लोकतंत्र का महा पर्व है। सशक्त और और मजबूत लोकतंत्र के साथ शत प्रतिशत मतदान के लिए हम सब की सहभागिता आवश्यक है। मतदान के लिए न केवल अपने मत का प्रयोग करे, अपितु दूसरों को भी मतदान केलिए प्रेरित करें। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की सभी सुविधाएं सुनिश्चित की गई है।

गौरतलब है लोगों का, लोगों के द्वारा, लोगों के लिए शासन, यही लोकतंत्र की परिभाषा है और इस परिभाषा को पूर्ण करने के लिए हमें जिस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है उसे मतदान कहा जाता है। मतदान के इस पर्व को जब हम उत्सव की भांति मनाना शुरू कर दें तो जाहिर है कि इस लोकतंत्र के पर्व में हम देश के अंतिम व्यक्ति तक को जोड़ सकते हैं। मतदान को अगर लोकतंत्र की आत्मा कहा जाए तो गलत नहीं होगा। मतदाता ही सबसे मजबूत और सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करता है। भारत देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत का गरीब से गरीब और सबसे अमीर व्यक्ति भी लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करता है।

इस बार चुनाव आयोग द्वारा राजस्थान विधान सभा चुनाव को लोकतंत्र के महा पर्व की तरह मनाया जा रहा है। चुनावों में हमारे प्रदेश का हर एक नागरिक हिस्सा ले, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें आम लोगों को साथ लेकर कई अभियान शुरू किए गए हैं।

इस बार चुनाव आयोग द्वारा राजस्थान विधान सभा चुनाव को लोकतंत्र के महा पर्व की तरह मनाया जा रहा है। चुनावों में हमारे प्रदेश का हर एक नागरिक हिस्सा ले, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें आम लोगों को साथ लेकर कई अभियान शुरू किए गए हैं। वोटर जागरूकता अभियान हर जगह स्कूल, कॉलेज से लेकर गांव-गांव तक पहुंच रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी मतदाता ऐसा न हो जो मतदान करने न पहुंचे। मतदान हेतु दिव्यांग जनों और वरिष्ठ बुजुर्गों के लिए घर से वोट करने की सुविधा मिली ।

मतदान के द्वारा ही हमारे समाज और राष्ट्र का भविष्य तय होता है। हम कैसा राज्य और समाज चाहते हैं, इसके लिए हमें लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। ये हम सब जागरूक नागरिकों का कर्तव्य भी बनता है कि हम अपने आसपास भी लोगों की जागरूक करें। लोगों में ये धारणा है कि मेरे वोट देने, न देने से क्या फर्क पड़ेगा। लोकतंत्र में हर एक वोट का मूल्य है। मतदान का लाभ सिर्फ हमें व्यक्तिगत हित को साध कर नहीं देखना चाहिए। हमें ये सोचना चाहिए कि कौन सा ऐसा राजनीतिक दल और नेता होगा जो प्रदेश को आगे ले जाने में सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाएगा।

भारतीय राजनीति के लिहाज से 2024 का साल काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस साल लोकसभा चुनाव होने वाला है। पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणाम का सीधा असर देश की राजनीतिक सियासत पर पड़ेगा क्योंकि 2024 की बड़ी लड़ाई से ठीक पहले इन चुनाव नतीजों से देश के लोगों के मूड का पता चल जाएगा। 2023 में बह रही बयार अगले साल आने वाली आंधी की आहट का एहसास करा देगी। राजस्थान विधान सभा चुनाव जीतने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने अपने सभी संसाधन झोक दिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को विश्वास है इस चनाव में जनता ने कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने का मन बना लिया है।

हम जो 7 गारंटी देने जा रहे, उनका भी जनता को भरपूर फायदा मिलेगा। इसके मुकाबले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मोदी गारंटी की घोषणा करते हुए कहा राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के लिए मतदाताओं में इतना असीम उत्साह देखकर मैं बहुत ही अभिभूत हूं। मोदी की रैलियों, सभाओं और रोड शो में उमड़ी भारी भीड़ से भाजपा गदगद है। मोदी ने कहा–'जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां मोदी की गारंटी शुरू होती है।' जिसने भी गरीबों को लूटा है उसे छोड़ा नहीं जाएगा। इस चुनाव में भाजपा की और से जहाँ प्रधान मंत्री मोदी ने मुख्य रूप से प्रचार-प्रसार की कमान संभाली वहीं सहयोगी के रूप में गृह मंत्री अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने भी रैलियों को सम्बोधित किया। कांग्रेस की और से गहलोत के अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गाँधी और प्रियंका ने मुख्य रूप से स्टार प्रचारक के रूप में भाग लिया। मतगणना 3 दिसंबर को होंगी।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुंद ओझा
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

राशिफल शनिवार 25 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 2:56 तक, वारियान योग रात्रि 3:52 तक, तैतिल करण सांय 5:23 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:56 से आरम्भ होगा। आज शनि प्रदोष व्रत, राधा वल्लभ पाटोत्सव, मास शिवरात्रि, वैकुण्ठ चतुरदशी उपवास भरणी दीपम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:17 से 9:36 तक, चर 12:14 से 1:33 तक, लाभ-अमृत 1:33 से 4:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

सिंह
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं।

मकर
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

सकारात्मक सोच के साथ मताधिकार का उपयोग जरुरी

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान सिनेरियों में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रवधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रिवेंस करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेस यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रुप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्याग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया हैं वहीं मतदाताओं के लिए जागरुकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं।

भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी कि नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरुक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नही माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका असर नहीं पडता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो सा। हो जाता है कि 2013 के विधान सभा चुनावों में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधान सभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्शाया। अब एक और 2018 में नोटा प्रयोग में कमी आई है तो इसके साथ ही नोटा अपने आप में नकारात्मकता को दर्शाता है। हांलाकि आपने नोटा का प्रयोग कर यह संदेश दे दिया कि आपकी नजर में कोई भी उम्मीद्वार खरा नहीं उतर रहा पर सोचने वाली बात यह भी है कि इनमें से कोई एक उम्मीद्वार ही विजयी होगा। आपका नोटा का बटन जीत हार के अंतर को तो कम कर सकता है पर लोकतंत्र में मताधिकार का जो महत्व होता है वह पूरा नहीं होता दिखता। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हांलाकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरुप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीद्वारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता।

तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यों कहे कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रुस ने 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, वुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविद्ों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनावों में हथियार के रुप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है।

एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत 90 से 100 प्रतिशत के आंकड़ें को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयेग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें यह सभी मतदाताओं के दिलोदिमाग में होना चाहिए।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

जनता-जनार्दन के दिन आज समाप्त

डॉ. राजेन्द्र जोशी

सक्रियता और प्रबंधन सुबह से शाम तक जनता-जनार्दन के बीच बने रहना, आवरण से मुक्त होकर पांच बरस का हिसाब देना। सावचेती से बीच बाजार खुद झोंक देना, झोली फैलाकर डमरू बजाना। ऐसी दिनचर्या चुनाव के बाद क्यों नहीं बनी रहती। थकावट नहीं होती, परेशानी नहीं है, सुरक्षा की भी चिंता नहीं है। जहां जो बुलाए वहां पहले जाना और बिन बुलाए मेहमान भी बन कर चले जाना। यह सब खेल खुद के चुनाव के लिए रहता है ना कि किसी राजनैतिक पार्टी या अन्य उम्मीदवार के लिए। राजनैतिक पार्टियों के उम्मीदवार क्या इतनी ही सक्रियता लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए दिखाएंगे।

सिंबल तो उम्मीदवार को साथ लेकर चलता है, अब सभी उम्मीदवारों की सक्रियता समाप्त हो गई, परिणाम का इंतजार है, परिणाम की सूचना देने जनता में उम्मीदवार नहीं जाता, बल्कि जनता उसे परिणाम बताने जाती है। अब मतदाता नेताओ के दरबार में लाइन लगाए पांच साल खडी रहेगी। जनता के लिए दस दिन आज समाप्त ।

चुनाव धीरे-धीरे व्यक्तिवादी होता जा रहा है। एक समय था जब राजनैतिक पार्टियों के कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझ कर पार्टी के उम्मीदवार को जिताने के लिए सक्रिय रहते थे, ऐसी स्थिति में केन्द्र और राज्यों में संबंधित दल का प्रदर्शन भी अच्छा रहता था। बदलते दौर में सबसे बड़ी समस्या यही है कि लोकसभा चुनाव के दौरान विधानसभा, नगर परिषद एवं जिला परिषदों में रहे प्रत्याशी की सक्रियता नहीं रहने से केन्द्र में पार्टियां पिछड़ती जा रही है। राजनैतिक पार्टियां इस पर ध्यान नहीं देती।

आज हो रहे विधानसभा चुनाव में सभी प्रदेशवासियों की नजर परिणाम घोषित होने से पहले अपने-अपने कयासों एवं गणित बिठाकर चलेगे।

लेखक हिन्दी- राजस्थानी के साहित्यकार है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन कल से

जोधपुर, (कासं)। हरिद्वार की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा बाड़मेर से हरिद्वार के बीच डेगाना-रतनगढ़ के रास्ते 26 नवंबर को विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन 04833,बाड़मेर-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन बाड़मेर से 26 नवंबर को सुबह 5 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 3 बजे हरिद्वार पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि वापसी में ट्रेन 04834, हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन 27 नवंबर को हरिद्वार से सायं 7.30 बजे रवाना होकर अगले दिन सायं 5.40 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी।

सांभर में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सरकारों ने अनदेखी की

रोजगार के लिए हजारों लोग रोजाना जयपुर-अजमेर कर रहे हैं अप-डाउन

सांभरझील, (निसं)। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के सांभर उपखंड मुख्यालय पर इंडस्ट्रियल स्थापित कर लोगों को सुलभ रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए बीते 70 वर्षों में जितनी भी सरकारें आई उनकी ओर से इस दिशा में अनदेखी की गई है। रोजगार के लिए हजारों लोग रोजाना जयपुर-अजमेर अप-डाउन करते हैं।

सांभर को औद्योगिक नगरी का दर्जा दिलाना तो दूर उप जिला सांभर को जिला घोषित करवाने में नाकाम रहे विधायकों की कमजोरी फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के लिए दुर्भाग्य साबित हुई है। रोजगार के अभाव में बीते कई दशकों में सांभर से अब तक हजारों लोग अपने खुद के व परिवार के सुनहरे भविष्य को संवारने के लिए अन्यत्र शिफ्ट हो चुके हैं। उद्योग धंधों के अभाव के कारण सैकड़ों गरीब परिवारों की महिलाएं भी नावा, राजास आदि क्षेत्रों में नमक का काम करने के भोर होते ही घर से निकल जाती है। पर्यटन नगरी का दर्जा तो मिला लेकिन पर्यटन जैसा यहां माहौल बनाने में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका भी शून्य ही रही। पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर भी यहां के धार्मिक तीर्थ स्थलों, लावणीय झील में विचरण करते खूबसूरत पक्षियों की तस्वीरें, प्राचीन इमारतें के फोटोस सांभर के इतिहास को भली-भांति से दर्शित तो करते हैं लेकिन धरातल पर सब कुछ उल्टा-पुल्टा है। चिकित्सा क्षेत्र की सुविधाएं जिला स्तर की अभी तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

■ **वहीं लोगों को कई मूलभूत सुविधायें भी नहीं मिल पा रही है**

सांभर से अजमेर व सांभर से सीकर के अलावा शाकंभरी माता मंदिर जाने के लिए राजस्थान रोडवेज की तरफ से बस उपलब्ध नहीं है, एक दो बस के अलावा आने-जाने का कोई साधन नहीं है जो पूरी तरह से अपर्याप्त है। उपखंड मुख्यालय पर सफाई की व्यवस्था ऐसी कि बाहर से कोई देशी विदेशी आ जाए तो देखकर के सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि क्या मैं वाकई में पर्यटन नगरी में आ गया हूं। इसके अलावा एजुकेशन में भी सांभर उपखंड मुख्यालय पर कॉलेज के बाद दूसरा कोई विकल्प नहीं है। लिहाजा यहां के हजारों अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए उन्हें जयपुर, अजमेर अथवा अन्य जगहों पर भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रेल मार्ग से सांभर से जयपुर व जयपुर से सांभर के लिए कुछ ट्रेनों के ठहराव की सुविधा अभी तक नहीं हो पाना सैकड़ों मुसाफिरों के लिए दुखदाई बना हुआ है। भूमिगत विद्युत लाईन का कार्य पेंडिग है। सीवरेज लाइन के लिए कोई खाका तैयार नहीं किया गया है। सड़कों की हालत खस्ता है। यहां के चुने हुए जनप्रतिनिधि अपनी भूमिका सही प्रकार से अदा नहीं कर रहे हैं। विकास करवाने की दिशा में यहां का व्यापारिक संगठन भी सुस्त पड़ा है। कर्मियों का ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ने में यहां का युवा वर्ग पूरी तरह से सोशल मीडिया पर बिजी है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात जवान की हादसे में मौत

कोटपूतली, (निसं)। भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा चौकी पर तैनात निकटवर्ती ग्राम खेड़ा भोजावास निवासी बीएसएफ कानि. मनमोहन सिंह तंवर (34) का निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तंवर बंगाल स्थित बांग्लादेश सीमा चौकी पर गत 22 नवम्बर को ड्यूटी के दौरान एक दुर्घटना में घायल हो गये थे। जिसके बाद उनका निधन हो गया। मृतक कानि. तंवर की पार्थिव देह उनके पैतृक ग्राम खेड़ा भोजावास लाई गई। जहां शुक्रवार को उनका सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया गया।

बीएसएफ सूत्रों के अनुसार दुर्घटना में घायल होने के बाद सिर से अत्यधिक खून बहने से उनकी मौत हो गई। तंवर वर्ष 2013 में बीएसएफ में भर्ती हुये थे। शुक्रवार को ग्राम भोजावास में हुई अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ अनेक जनप्रतिनिधि

मृतक कानि. मनमोहन सिंह तंवर

एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। मृतक जवान को उनके बड़े बेटे भावेश ने मुखाग्नि दी। जवान की पार्थिव देह भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से दिल्ली तक वायु मार्ग से एवं दिल्ली से शुक्रवार को सड़क मार्ग द्वारा खेड़ा भोजावास लाया गया। जहां टोडी बस स्टैण्ड से बड़ी संख्या में ग्रामीण व युवाओं ने भारतमाता के जयकारे लगाते

■ **मृतक कानि. का ग्राम खेड़ा भोजावास में अन्तिम संस्कार किया गया**

हुए पार्थिव देह अंतिम यात्रा निकाली। युवाओं ने भारत माता की जय, मनमोहन सिंह तंवर अमर रहे व जब तक सूरज चांद रहेगा, मनमोहन तेरा नाम रहेगा जैसे नारे लगाए। बीएसएफ टुकड़ी ने अंतिम सलामी दी।

इससे पूर्व मनमोहन के निधन की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस दौरान अंत्येष्टि क्रिया में कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव, भाजपा प्रत्याशी हंसराज पटेल, निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश गोयल, जजपा प्रत्याशी रामनिवास यादव समेत सरूण्ड एसएचओ राजेश यादव एवं अन्य अधिकारी भी शामिल हुये।

चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना 18 वर्ष में नहीं हुई पूरी

हिण्डौन सिटी, (कासं)। विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी मांग चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना 18 वर्षों में पूरी नहीं हो पाई है। चुनावों में चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना को लेकर कई बार सियासी रंग चढ़ाकर वादे किए। वर्ष 2023-24 में आखिरी बजट में मात्र 20 करोड़ का बजट रखा गया। सामाजिक कार्यकर्ता और जगरोटी क्षेत्र निवासी नाहर सिंह डागुर ने कहा कि मानसून की कमजोर स्थिति के कारण जगर बांध की 44 किलोमीटर नहरी क्षेत्र 15 वर्षों से सूखा पड़ा है। जिसके कारण किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है।

इसी प्रकार चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना की मांग कर रहे समिति के महामंत्री भरत सिंह डागुर का कहना है कि वर्ष 2005 से इस परियोजना की मांग चल रही है। वर्ष 2007 में डीपीआर भी तैयार किया

■ **44 किलोमीटर नहरी क्षेत्र 15 वर्षों से सूखा, 2005 से परियोजना को लेकर उठ रही मांग**

गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2008-2009 में 18 दिनों तक किसानों ने आंदोलन किया। जिसमें तत्कालीन राज्य सरकार के साथ किसान संघर्ष समिति की वार्ता भी हुई। हालांकि मामला ठंडे बस्ते में है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान क्षेत्र के मुख्य मुद्दे शामिल नहीं होते। पिछले 15 वर्षों में हिंडौन और टोडाभीम क्षेत्र में मानूसन के दौरान 300 से 500 एमएम बारिश होने के कारण नलकूप भी सूख रहे हैं। भूजल स्तर गिर रहा है। कृषि एक्सपर्ट का कहना है कि क्षेत्र में परियोजना के माध्यम से पानी की आवक होती है तो सूखे बांध और नदियों के आसपास भी जलस्त्रोत बढ़ेगा।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 27 जोड़ों ने एक-दूसरे का दामन थामा

जोधपुर/पाली, (नि.सं.)। रांकावत वैष्णव ब्राह्मण समाज जोधपुर का दसवां सामूहिक विवाह सम्मेलन गुरुवार को स्काउट गाइड मैदान में धूमधाम से संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह में 27 जोड़ों ने एक-दूसरे का दामन थामा। जहां सुबह से ही हजारों समाज बंधुओं का मेला से लग रहा है। विवाह कार्यक्रम गायत्री परिवार की कार्यकर्ता द्वारा संपन्न कराया गया।

जानकारी के अनुसार दोपहर में संस्था की ओर से दानदाता सम्मान कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सभी को दुपट्टा पहनाकर साफा माला मोमेंट तो

■ **विवाह कार्यक्रम गायत्री परिवार की कार्यकर्ता द्वारा संपन्न कराया गया**

देकर सम्मानित किया। रांकावत समाज विवाह संस्था के आयोजक श्याम गोयल, जमुना प्रसाद पेशवा, राजेंद्र गोयल, रामचंद्र गोयल, बालकिशन, पवन पेशवा धर्मेंद्र मोरध्वज, प्रेम चासता, मुकेश शर्मा, टीम का भरपूर सहयोग रहा। वहीं सामूहिक विवाह महाप्रसादी के लाभार्थी गुरुरिया परिवार का स्वागत किया। अतिथिगण में अखिल भारतीय अध्यक्ष अखिल प्रकाश कोटेचा, पूर्व अध्यक्ष मुकेश के व्यास, रामदास बिरामी, चैन दास बोराणा, मदनजी सिंदरू, फुआ लाल रानी, कमल किशोर ब्यावर, मांगीलाल बोराणा आदि का स्वागत किया।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 207 प्रभात चूरू, शनिवार 25 नवम्बर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अजीब से दिखने वाले स्तनपायी जीव ताकिन एल्पाइन व एशिया के पहाड़ों की घाटियों में विचरण करते हैं। विभाजित खुरों के कारण इन जीवों को खड़ी चढ़ाई व ऊबड़-खाबड़ भागों में चलने में मदद मिलती है। भूटान, म्यानमार, उत्तरी भारत, तिब्बत, सैन्ट्रल व दक्षिणी चीन में पाए जाने वाले ताकिन की चार उपप्राजतियां हैं। भूटान ताकिन, गोल्डन ताकिन, मिशमी ताकिन और शिचुआन ताकिन। ताकिन मौसम के अनुसार उपलब्ध पेड़ पौधों की पत्तियां खाते हैं। हिरण जैसी नाक, छोटी मजबूत टांगें व मजबूत शरीर वाले ताकिन के सींग विल्डबीस्ट जैसे होते हैं। हरेक उपप्रजाति का फर अलग होता है पर सबसे सुंदर फर गोल्डन ताकिन का है। नाम के अनुरुप इनका फर सुनहरे रंग का होता है। ताकिन का उल्लेख लोककथाओं में भी मिलता है। समझा जाता है कि, ग्रीक पौराणिक कथाओं का गोल्डन फ्लीस (भेड़ का ऊन) इन्हीं से प्रेरित है। ताकिन पहाड़ी भागों में रहते हैं और भोजन की तलाश में ऊपर-नीचे चढ़ते -उतरते रहते हैं। गर्मी में जब भोजन पर्याप्त होता है उस समय ये प्रजनन करते हैं। उस समय ताकिन के एक झुण्ड में 300 तक सदस्य होते हैं पर सर्दी में ये जानवर 15 से 30 सदस्यों के छोटे समूहों में बंट जाते हैं। नर अपने पैरों, छाती व चेहरे पर अपने मूत्र का छिड़काव करते हैं जो उनके दबदबे का संकेत होता है। मजबूत भारी शरीर के कारण इन्हें परभक्षी का खतरा कम होता है। स्नोलैपर्ड अवश्य ताकिन के बच्चों का शिकार करते हैं और लैपर्ड, टाइगर, भेड़िये एशियाई काला भालू यदा कदा ताकिन पर हमला कर देते हैं। खतरा भांपते ही ताकिन खांसी जैसी आवाज़ निकालकर झुंड को चेतावनी देते हैं जिससे सभी सदस्य छुप जाते हैं। इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर के अनुसार इसकी सभी उपप्रजातियां बेहतरीन हैं और हालिया रिसर्च के अनुसार, इनकी रेंज, जितनी सोची गई थी उससे छोटी हो सकती है।

...ताकि अपाहिजों के प्रति हमदर्दी खत्म न हो जाये जनता में!

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

- चुनाव की पूर्व संध्या पर गहलोत ने बड़ी लोक लुभावन "रियायतें" बांटी हैं, जिनका मकसद अगर वोट बटोरना मात्र है तो यह गरीब दलित और पिछड़ों का उपहास है।
- लगता भी यही है कि, रियायतें सिर्फ चुनावी मकसद से दी गई हैं, क्योंकि चुनाव से मात्र कुछ माह पहले आनन-फानन में योजनाएं शुरू कर दी गईं, जबकि पर्याप्त बजट नहीं है।
- अगर यही प्रवृति जारी रही तो, जनता का विश्वास सरकार के वादों व नारों से उठ जाएगा जो लोकतंत्र के लिए बड़ी हानि होगा।

जयपुर, 24 नवम्बर। बचपन में एक कहानी पढ़ी थी, एक व्यक्ति के पास बहुत सुन्दर घोड़ी थी, जिस पर सवार होकर वह पूरे गांव में इतराते हुए निकलता था। एक ईर्षालु के मन में उस घोड़ी को हथियाने की बलवती इच्छा जागृत हुई। योजनाबद्ध तरीके से, एक अपाहिज का वेश धारण कर वह व्यक्ति, उस रास्ते पर निकल पड़ा जहाँ से घोड़ी का मालिक निकलने वाला था। उस "अपाहिज" ने आवाज देकर घुड़ सवार को रोका और कहा, "मेरी एक टांग नहीं है, मैं बहुत दूर से बैसाखी के सहारे चलता हुआ आ रहा हूँ, थक गया हूँ, कुछ देर तुम्हारी घोड़ी पर बैठ कर चल लूँ, तो बहुत आराम मिलेगा। तुम्हें दिल से आशीष दूंगा।"

मलिक ने उसकी दयनीय स्थिति देखकर उसका आग्रह स्वीकार कर लिया और "अपाहिज" को घोड़ी पर चढ़ा दिया। घोड़ी पर सवार होते ही अपाहिज ने अपना अपाहिज का वेश त्यागा और घोड़ी को सरपट दौड़ा कर ले जाने लगा। मालिक ने आवाज देकर उसको रोका और कहा, "मेरा भी एक आग्रह सुनते जाओ। जो भी तुमसे पूछे यह घोड़ी तुम्हारे पास कैसे आयी, तो सच्चा किस्सा उन्हें कभी मत बताना, कहना कि, घोड़ी के मालिक ने मित्रता वश यह घोड़ी मुझे दी है। कोई भी मुझसे पूछेगा तो, मैं भी यही जवाब दूंगा। क्योंकि जनता को अगर सही किस्सा मालूम हुआ तो जनता के मन में अपाहिजों के प्रति सहानुभूति खत्म हो जाएगी, अपाहिजों के प्रति विश्वास टूट जायेगा।"

शर्मिन्दा होकर "अपाहिज" ने मालिक को उसकी घोड़ी लौटा दी।

कुछ ऐसी ही कथा शिव पार्वती के बारे में कही जाती है। राम से युद्ध के समय रावण की आत्मा जीवन व मृत्यु के बीच झूल रही थी, बैचेन। वे चाहते थे उनके अराध्य भगवान शिव, जिनकी उन्होंने जीवन भर कठोर जप, तप, से पूजा की थी, उन्हें दर्शन दें और उन्हें मुक्ति दिलवायें। पर, भगवान शिव, रावण की सारी कोशिशों के बावजूद उसकी दोनों इच्छाओं की पूर्ती के लिये तैयार नहीं हुए। पार्वती के बहुत पूछने पर, अन्ततोगत्वा शिवजी ने कारण बताया कि, "रावण ने एक साधु का वेश धारण कर सीता का अपहरण किया था। यह एक अक्षम्य अपराध है, मैं उसे कभी क्षमा नहीं कर सकता। समाज में साधु की एक बड़ी पूज्य, प्रतिष्ठा है, वो क्षुधा तृप्ति के लिये, घर-घर जाकर, घर की मालकिन (गृहणी) से भिक्षा लेते हैं और गृहणी भी निर्भीक भाव से उसको भिक्षा देती है, उसका साधु के प्रति अटूट विश्वास व श्रद्धा है। रावण ने गृहणियों के इस विश्वास को भारी चोट पहुंचाई है, साधु के रूप में गृहणी सीता का अपहरण करके। मैं उसे कैसे क्षमा कर सकता हूँ, और मुक्ति पाने में कैसे मदद कर सकता हूँ।"

पैलेस ऑन व्हील्स पर मेरे एक सहयात्री ने भी ऐसा ही एक किस्सा सुनाया। फ्रांस में पैलेस ऑन व्हील्स जैसी एक लग्ज़री ट्रेन पर एक अमेरिकी यात्री सफर कर रहा था, उसने बड़ी महंगी "वाइन" का ऑर्डर दिया वेटर को। वेटर कुछ हिचकिचाहट के बाद "वाइन" लेकर आया और अमेरिकी यात्री ने वाइन की कीमत से कई गुना अधिक बड़ा नोट उसे पैमेन्ट के रूप में थमाया। वेटर ने कहा, अब मेरी ड्यूटी खत्म हो रही है, नया वेटर आकर आपसे पैमेन्ट ले लेगा अगले स्टॉप पर। पर अमेरिकी यात्री ने दबाव डाल कर वेटर को बड़ा नोट लेने के लिये मजबूर किया। अगला स्टॉप आकर चला गया, पर, वेटर नहीं आया। दूसरे स्टॉप पर वेटर भागता हुआ डिब्बे में आया और वह सिविलन ड्रेस में था, क्योंकि उसकी ड्यूटी खत्म हो चुकी थी।

उसने अमेरिकी यात्री से कहा, "मैं इस हड़बड़ी में इसलिये आया क्योंकि मैं एक विदेशी अमेरिकी टूरिस्ट पर यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजीवनी केस में राज्य सरकार को तगड़ा झटका और गजेन्द्र सिंह को बड़ी राहत

राजस्थान हाई कोर्ट ने एस.ओ.जी. को कड़ी फटकार लगाई तथा चार्जशीट फाइल करने पर रोक लगा दी

- इस केस में हाई कोर्ट ने गजेन्द्र सिंह की गिरफ्तारी पर 13 अप्रैल को ही रोक लगा दी थी।
- शुक्रवार को हुई सुनवाई में हाई कोर्ट में शेखावत के वकील ने कहा कि, एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने अगस्त 2019 में केस दर्ज किया था पर जांच अभी तक चल रही है, शेखावत का नाम ना तो अभियुक्तों में शामिल है और ना ही उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया।
- शेखावत के अधिवक्ता ने कहा कि, उनके मुवक्किल का नाम सिर्फ राजनैतिक द्वेष के कारण शामिल किया गया है, सरकार उन्हें फंसाना चाहती है।

जोधपुर/जयपुर 24 नवंबर (का.सं.)। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी केस में राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) को कड़ी फटकार लगाई तथा चार्जशीट फाइल करने पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के इस निर्णय से जोधपुर सांसद और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को बडी राहत मिली है, वहीं राजस्थान सरकार को तगड़ा झटका लगा है। इस केस में 13 अप्रैल को हाईकोर्ट ने शेखावत की गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी।

शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान शेखावत की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता वी.आर.बाजवा ने पैरवी करते हुए कहा कि एस.ओ.जी. ने अगस्त 2019 में यह केस दर्ज किया था और साढ़े चार साल बाद भी जांच को पूरा नहीं किया है, क्योंकि राजनीतिक द्वेष के चलते राज्य सरकार शेखावत को गलत तरीके से फंसाना चाहती है। एसओजी ने कभी गजेंद्र सिंह शेखावत को पूछताछ के लिए नहीं बुलाया। न ही पूर्व में दायर चार्जशीटों में कहीं शेखावत का नाम अभियुक्तों में शामिल किया गया। बाजवा ने बताया कि हाईकोर्ट ने पूछा कि अगर शेखावत की संजीवनी केस में संलिप्तता थी तो एसओजी ने चार साल में कोई नोटिस क्यों नहीं दिया? कोर्ट ने यह भी पूछा कि फरवरी 2020 में चार्जशीट फाइल करने के तीन साल बाद फरवरी 2023 में दूसरे लोगों के खिलाफ चार्जशीट फाइल की, जबकि उसमें शेखावत या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं था।

बाजवा ने कोर्ट में कहा कि राजनीतिक प्रतिशोध के लिए सरकार विधानसभा चुनावों के बीच शेखावत को फंसाने का प्रयास कर रही है, जबकि इसी साल अप्रैल में राजस्थान सरकार के वकील हाईकोर्ट में यह भी कह चुके हैं कि शेखावत का किसी एफआईआर और चार्जशीट में नाम नहीं है।

गौरतलब है कि करीब 900 करोड़ रुपए के संजीवनी घोटाले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री शेखावत पर आरोप लगाकर पूरे मामले को राजनीतिक रंग दे दिया था। शेखावत शुरू से कह रहे हैं कि साढ़े चार साल में इस प्रकरण की जांच न तो राज्य की एसओजी ने पूरी की और न ही इसे सीबीआई को सौंपा जा रहा है। मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ADMISSION CLOSING SOON
B.A.-LL.B.
LL.M.
with CS/RJS
Helpline : +91-8696218218
BIYANI LAW COLLEGE (Co-Ed.)

पायलट की अपील को री-पोस्ट किया गहलोत ने

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में मतदान से ठीक 1 दिन पहले कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की जनता के नाम पर एक अपील जारी करते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया है और इस अपील को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रीपोस्ट किया है।

- सचिन पायलट ने राज्य की जनता से कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान करने की अपील की है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान राजस्थान की जनता यह बात देखना चाहती थी कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट क्या कभी एक साथ राजस्थान में चुनाव प्रचार करने के लिए जाएंगे, लेकिन पूरे चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा मौका एक बार भी नहीं आया। दोनों नेता अपने-अपने स्तर पर अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में प्रचार करते नज़र आए। हालांकि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मंचों पर जरूर दोनों नेता यदाकदा साथ नज़र आए।

इस बीच राजस्थान में चुनाव प्रचार बंद होने के बाद और मतदान से ठीक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिव कुमार के खिलाफ सी.बी.आई. जांच की अनुमति वापस ली कर्नाटक सरकार ने

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार के खिलाफ सी.बी.आई. जांच के लिए पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने अनुमति दी थी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- मौजूदा सरकार ने कहा कि, पूर्ववर्ती सरकार ने अनुमति देते समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया था इसीलिए अनुमति वापस ली जाती है।

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। यह कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए एक बड़ी राहत है। पिछली राज्य सरकार ने उनके खिलाफ लगे आय से अधिक सम्पत्ति रखने के केस को सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) को हैण्डओवर करने का निर्णय लिया था और वर्तमान राज्य मंत्रिमण्डल ने उक्त निर्णय को विधि सम्मत ना मानते हुए वापस ले लिया है।

सी.बी.आई. को केस सुपुर्द करने का राज्य मंत्रिमण्डल ने गुरुवार को लिया, जिससे इस केस को सी.बी.आई. को सौंपने की स्वीकृति को वापस लेने के लिए एक औपचारिक सरकारी आदेश जारी किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक सरकार ने इस मामले के तकनीकी पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि बी.एस. येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सी.बी.आई. को केस हैण्डओवर करने की अनिवार्य स्वीकृति नहीं ली थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने केस को केन्द्रीय एजेन्सी को हैण्डओवर करने की सिर्फ एक मौखिक अनुमति दी थी, लेकिन चूंकि शिवकुमार उस वक्त एक विधायक थे, इसलिए तय प्रक्रिया के अनुसार तत्कालीन स्पीकर से अनुमति ली जानी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा कि, चूंकि ऐसा नहीं किया गया, इसलिए केन्द्रीय एजेन्सी को केस हैण्डओवर करने का निर्णय विधि सम्मत ना होने के साथ ही अनुचित भी था।

वर्ष 2013-18 के दौरान 74.23 करोड़ रूपयों की आय से अधिक सम्पत्ति रखने के कथित आरोप को लेकर सी.बी.आई. वर्तमन में शिवकुमार से पूछताछ कर रही है। मंत्रिमण्डलीय मीटिंग के दौरान जब यह मुद्दा चर्चा के लिए उठा, तब शिवकुमार संयोगवश उपस्थित नहीं थे। शिवकुमार ने अपना केस खारिज करवाने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट की शरण ली थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार नहीं किया था।

शिवकुमार ने इसके बाद हाईकोर्ट की डिवीजन बैंच में पुनः अपील की जिसने पूर्ववर्ती आदेश व अनुमति पर जून 2023 में स्टे लगा दिया था। सी.बी.आई. ने इस निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसने हाईकोर्ट की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई 24 नवंबर (वार्ता) महाराष्ट्र में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा-टर्मिनल 2 को उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है तथा इसे रोकने के एवज में बिटकॉइन में 10 लाख डॉलर की मांग की गयी है।

- पुलिस ने बताया कि, एक ई-मेल में एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 को उड़ाने की धमकी दी गई है।

पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद स्थानीय सहार पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज करने के साथ ही मुंबई पुलिस के साइबर क्राइम सेल को भी सूचित किया गया।

चिरंजीवी योजना का पैकेज चाहे 25 लाख रू. हो गया हो, पर प्रति लाभार्थी औसतन 23000 रूपए खर्च किए हैं सरकार ने

जितना खर्च चिरंजीवी पर वर्ष 2021-22 में हुआ, लगभग उतनी ही राशि इस वर्ष विज्ञापन पर खर्च हुई

-यादवेन्द्र शर्मा-

- वर्ष 2021-22 में प्राइवेट व सरकारी अस्पतालों को 981 करोड़ रूपए के "क्लेम" का भुगतान किया गया, जबकि इस वर्ष 820 करोड़ रूपए विज्ञापनों पर खर्च हुए।
- विचारणीय बात यह है कि, स्वास्थ्य सेवाओं पर जो खर्च हुआ लगभग उतनी ही राशि प्रचार-प्रसार पर खर्च हुई। क्या विज्ञापन और उपचार का बराबर का महत्व हो सकता है?

जयपुर, 24 नवम्बर। गहलोत सरकार ने पिछले दो वर्ष से चिरंजीवी योजना का बड़े ही ज़ोर-शोर से प्रचार प्रसार किया है। इस योजना को सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं में गिना जाता है और चुनाव प्रसार के आखिरी दिन भी राज्य सरकार ने इसी योजना के विज्ञापन जारी कर वोट मांगे हैं, पर सवाल यह है कि चुनाव के प्रचार प्रसार में इस्तेमाल की गई बातें और ज़मीनी हकीकत के बीच में कितना फासला है?

गहलोत सरकार ने चिरंजीवी योजना के तहत 25 लाख रूपए तक का इंश्योरेंश कवर देने का वादा किया है। इस योजना के तहत 1.35 करोड़ लाभार्थियों को इस योजना का फायदा मिल रहा है। पर सरकार हमेशा यह बताने से कतराती रही है कि इस योजना के लिए उन्होंने कितना बजट आवंटित किया है और कितना खर्च किया है। थकहार के यह जानकारी केंद्र सरकार की हैल्थ अश्योंरेंस एजेंसी, 'द न्यू इंडिया अश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, से आर.टी.आई. के माध्यम से मांगनी पड़ी क्योंकि राज्य सरकार के संबंधित विभाग जानकारी उपलब्ध नहीं करा रहे थे। जानकारी से यह स्पष्ट ज़ाहिर है कि राज्य सरकार ने चिरंजीवी योजना के लिए न्यू इंडिया अश्योरेंस को 2300 करोड़ से कुछ अधिक प्रीमियम दिया था यानी प्रति लाभार्थी के लिए राज्य सरकार ने 2300 रूपये खर्च करे हैं। परन्तु चिरंजीवी योजना पर सरकार द्वारा किया गया खर्चा तब कम लगता है जब इसकी तुलना सरकारी योजनाओं और मुख्यमंत्री की वाह-वाही के लिए जारी किए गए विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर किए गए खर्च से की जाती है।

सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने संवाद के जरिए इस वर्ष करीब 350 करोड़ रूपये के विज्ञापन जारी करे हैं जिनमें होर्डिंग्स भी शामिल हैं। वहीं डी.आई.पी.आर. द्वारा 70-100 करोड़ रूपये के अतिरिक्त विज्ञापन जारी किए गए है। सरकार द्वारा डिज़ाईन बॉक्स एजेंसी की सेवाएं लेने के लिए 350-400 करोड़ रूपये और खर्च कर दिए गए हैं। यानि राज्य सरकार ने इस वर्ष करीब 800 करोड़ रूपये प्रचार-प्रसार पर खर्च किए हैं।

यहां पाठकों को बता दे कि इन विज्ञापनों की अधिकतर राशि कुछ 30-35 अखबारों, "डिजिटल प्लैटफॉर्म्स" और "सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स" पर की गई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1.5 महीने पहले तक सभी विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर मुख्यमंत्री के चहरे को ही दिखाया जा रहा था। प्रचार-प्रसार और जमीनी हकीकत की तुलना इस तथ्य से भी की जा सकती है कि वर्ष 2021-22 में चिरंजीवी के तहत प्राईवेट व सरकारी अस्पतालो ने मिलकर 981 करोड़ का क्लेम का भुगतान किया था। यानी पिछले वर्ष जितना भुगतान प्राईवेट व सरकारी अस्पतालों को किया गया, लगभग उतना ही खर्चा इस वर्ष प्रचार-प्रसार पर किया गया है।

चिरंजीवी योजना में कम राशि खर्च करना राज्य सरकार की कंजूसी का एक और उदाहरण है जिस कारण से प्राईवेट अस्पताल सरकारी योजनाओं से दूर भागते हैं। आंकडों के अनुसार वर्ष 2021-22 में चिरंजीवी योजना के तहत प्राईवेट अस्पतालों के माध्यम से केवल 667 करोड़ रूपये के 'क्लेम' का भुगतान किया गया था। प्राईवेट अस्पतालों के डॉक्टरों का कहना था कि यह आंकडा कम इसलिए था क्योंकि एक तो मेडिकल पैकेजों की दरें अव्यवहारिक तरह से तय की गई थी। और इनका तय समय सीमा पर भी भुगतान नहीं होता था। प्राईवेट अस्पतालों को अपनी बात मनवाने के लिए ही राज्य सरकार 'राईट टू हैल्थ' (आर.टी.एच.) अधिनियम लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विश्व कप जीत का श्रेय नहीं लूट पाए मोदी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि, उन्हें भाजपा के एक नेता ने बताया कि, विश्व कप जीत का फायदा उठाने के लिए भाजपा ने मोदी के पोस्टर बैनर छपवाए थे, जो वेस्ट हो गए।

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की शुक्रवार को जयपुर हवाई अड्डे पर अकस्मात मुलाकात हो गई और उसने जो बताया उसे सुनकर वे हैरान रह गई।

उक्त भाजपा नेता ने सुप्रिया को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के वर्ल्ड कप वाले पोस्टर्स व होर्डिंग्स पूरे राजस्थान में लगाए जाने के लिए तैयार थे। अगर भारतीय टीम जीत जाती तो वर्तमान में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रक से टकराई यात्रियों से भरी बस, एक की मौत

20 से ज्यादा घायल, उपचार के लिये पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया

बीकानेर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर दुलमेरां गांव के समीप देर रात को यात्रियों से भरी बस व ट्रक में भिड़न्त हो गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई तथा 20 से ज्यादा यात्रियों को चोटें आई है। घायलों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

■ अहमदाबाद से यात्रियों का दल बस से अमृतसर की तरफ जा रहा था

लूणकरनसर थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी ने बताया कि गुजरात के अहमदाबाद से यात्रियों का दल बस में सवार होकर पंजाब के अमृतसर की तरफ जा रहा था। इस दौरान देर रात करीब 12.30 बजे धीरेरां व दुलमेरां गांव के बीच तेज गति से जा रही बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। बस में करीब 40 महिला व पुरूष समेत बच्चे सवार थे। ट्रक व बस की भिड़न्त में 20 से अधिक लोग घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस व अन्य वाहनों की मदद से लूणकरनसर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती करवाया गया। इसके अलावा गंभीर घायल लोगों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल भिजवाया गया। हादसे में गंभीर घायल अहमदाबाद के इशनपुर चौकड़ी निवासी नरसीभाई (51) पटेल की मौत हो गई। बस में सवार लोग अहमदाबाद के वटवा, मणिनगर, अहम नरोड़ा, बारेसा, अमरामवादी, गोडासर, इशरपुर समेत कई इलाकों के निवासी बताए है।

बस व ट्रक की भिड़न्त में बस के चालक की तरफ का हिस्सा चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में कोहराम मच गया। हादसे के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना की गई।

पिकअप और बाइक की टक्कर में मां-बेटे की दर्दनाक मौत

पिकअप चालक को राहगीरों ने एक किमी. दूर भागकर पकड़ा

बामनवास, (निसं)। कोयला गांव के समीप छठी मील के नजदीक एक सड़क दुर्घटना में बामनवास के रहने वाले मां सीता देवी व बेटे दिलखुश की एक साथ मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मां बेटे दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। पिकअप की रफ्तार इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल चपेट में आने के साथ ही इस सड़क दुर्घटना में मां बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राहगिरों द्वारा दुर्घटना कर पिकअप को छोड़कर भागे चालक को करीब एक किलोमीटर भाग कर पकड़ा गया एवं पुलिस के हवाले किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही गंगापुर सिटी सदर थाना अधिकारी मदनलाल मीणा घटनास्थल पर पहुंचे एवं शवों को बीच सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू करवाया व एक वाहन से मां बेटे के शव को रखकर शवों को जिला अस्पताल गंगापुर सिटी पहुंचाया गया। जहां जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से मां बेटे का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। जिस पिकअप चालक द्वारा यह दुर्घटना घटाई गई वह पिकअप चालक वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग खड़ा हुआ।

वहीं पकड़े गए पिकअप चालक की लोगों द्वारा मारपीट करने एवं जिस वाहन से दुर्घटना हुई थी उसमें आग लगाने की भी कोशिश की गई लेकिन वहा मौजूद लोगों द्वारा लोगों को चालक से मारपीट करने एवं वाहन में आग लगने से रोक दिया गया एवं नशे की हालत में पिकअप चालक को पुलिस को संभला दिया गया जहां पुलिस द्वारा उसे थाने ले जाया गया।

जेईई-एडवांस्ड-2024 की परीक्षा तिथि जारी

कोटा, (निसं)। जेईई-मेन के आवेदन शुरू होने के बाद अब जेईई-एडवांस्ड-2024 की परीक्षा तिथि जारी कर दी गई है। इस वर्ष आईआईटी मद्रास परीक्षा की आयोजक होगी। परीक्षा 26 मई को दो पारियों में सुबह 9 से 12 और दोपहर 2.30 से 5.30 के मध्य होगी।

इस परीक्षा के माध्यम से देश की 23 आईआईटी की 17 हजार 350 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि आईआईटी मद्रास की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार जेईई-एडवांस्ड की आवेदन प्रक्रिया 21 से 30 अप्रैल के मध्य होगी। परीक्षा के प्रवेश पत्र 17 मई को जारी किए जाएंगे। परीक्षा के बाद कैंडिडेड रेस्पॉस 31 मई को जारी किए जाएंगे तथा ऑनलाइन प्रोविजनल आंसर-की 2 जून को जारी की जाएगी। आंसर की पर फीडबैक 3 जून तक लिए जाएंगे। फाइनल आंसर-की व रिजल्ट 9 जून को जारी किया जाएगा। जोसा काउंसलिंग 10 जून से शुरू होगी।

एडवांस्ड के सिलेबस में बदलाव नहीं-जेईई-मेन के सिलेबस में तो बदलाव किया गया है लेकिन जेईई-एडवांस्ड का सिलेबस वर्ष 2023 के अनुसार ही रहेगा। ऐसे में जो विद्यार्थी जेईई-मेन व जेईई-एडवांस्ड को टारगेट कर रहे हैं उन्हें अलग-अलग दिए गए सिलेबस के आधार पर तैयारी करनी होगी। आहूजा ने बताया कि जेईई-एडवांस्ड की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 21 अप्रैल से प्रारंभ होगी, ऐसे में जेईई-मेन का दोनों सेशन का परिणाम एवं एआईआर 20 अप्रैल तक घोषित करनी होगी, क्योंकि जेईई-मेन द्वारा सभी कैटेगरी मिलाकर शीर्ष चुने गए 2.50 लाख विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड के लिए पात्र घोषित किए जाएंगे। ज्जेईई-एडवांस्ड के आवेदन के लिए जेईई-मेन द्वारा शीर्ष 2.50 लाख विद्यार्थियों में क्वालीफाई होना जरूरी है।

दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

राजसमंद, (निसं)। 13 वर्षीय नाबालिग बालिका को उसके घर से बहला-फुसलाकर व धमकाकर ले जाने व उसके साथ बलात्कार करने के आरोपी मांगीलाल उर्फ प्रताप राम को पॉक्सो न्यायालय राजसमंद के न्यायाधीश सुनील कुमार पंचोली ने 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 41 हजार के जुर्माने की सजा से दंडित किया।

■ कोर्ट ने आरोपी को 41 हजार के जुर्माने की सजा से दंडित किया

विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने बताया कि एक सितम्बर 2020 को पीड़िता के पिता ने थानाधिकारी पुलिस थाना केलवाड़ा के समक्ष उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री जो कक्षा सात में पढ़ रही है जो 14 अगस्त 2020 को घर पर अकेली थी तो पीछे से घासीराम उसे अपने साले मांगीलाल की पत्नी बनाने की गरज से बहला फुसलाकर ले गया तथा उसे कहीं गायब कर दिया है। उसने पुत्री की आसपास व रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला है। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस थाना केलवाड़ा द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर पॉक्सो न्यायालय राजसमंद में अभियुक्त मांगीलाल उर्फ प्रताप राम के विरुद्ध आरोप पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय में राज्य सरकार व पीड़िता की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 20 गवाह तथा 35 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए।

चूरू में एक बार भी जाट जाति का विधायक नहीं बनने का रिकॉर्ड

चूरू में कांग्रेस के उम्मीदवार रफीक मंडेलिया ने घर-घर जाकर जनता से वोट मांगे।

चूरू, (कासं)। चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के रफीक मंडेलिया काफी मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। वैसे भी भाजपा के हरलाल सहारण की जीत में कई रोड़े हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा के उम्मीदवार हरलाल सहारण ने प्रधान व जिला प्रमुख रहते हुए गांवों में कोई भी उल्लेखनीय कार्य नहीं करवाया। ऐसे में लोगों को सहारण से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें उम्मीद नहीं है तो वोट भी नहीं है। सहारण द्वारा गैस एजेंसी के माध्यम से आमजन को परेशान ही किया गया।

■ यहां जाट समाज दो गुटों में बंटा हुआ है

यहां जाट समाज के लोगों का मानना है कि हरलाल सहारण जीत गए तो राजेन्द्र राठौड़ का खेमा मजबूत हो जाएगा। सहारण की ओर से धमकी दिए जाने से भी जाट समाज के लोग उनसे नाराज हैं। यहां जाट समाज दो गुटों में बंटा हुआ है। ऐसे में यहां 61 साल में जाट जाति का विधायक नहीं बनने का रिकार्ड टूट पाना सम्भव नहीं लग रहा है। दूसरी ओर रफीक मंडेलिया ने चुनाव हारने के बाद भी चूरू विधानसभा क्षेत्र में अपनी जेब से रुपए लगाकर भी कई काम करवाए हैं। ऐसे में आमजन का झुकाव कांग्रेस के रफीक मंडेलिया की ओर अधिक है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस बार रफीक मंडेलिया को जीत का स्वाद चखने को मिल सकता है। रफीक मंडेलिया ने चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को चूरू शहर व देहात में घर-घर जाकर कांग्रेस के लिए वोट मांगे।

इसके अलावा पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया, नगरपरिषद सभापति पायल सैनी, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, असलम खोखर, रमजान खान, लालचंद सैनी, सुबोध मासूम, नारायण बालाण, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, पार्षद विनोद खटीक, गिरधारीलाल भाम्मी, घनश्याम अलवरिया, विमल शर्मा, गोकुल शर्मा, अंजनी शर्मा, कुलदीप तंवर, विश्वनाथ सैनी, अली मोहम्मद भाटी, देहात में किशोर धान्धू, धर्मेन्द्र बुडानिया, कमला कस्वां, आदूराम न्यौल, सोहनलाल मेघवाल, जयचंद मेघवाल, प्यारेलाल दानोदिया, सुखाराम घिंटाला, किशनाराम बाबल आदि ने जन सम्पर्क किया। इसी प्रकार रतननगर कस्बे में डूंगरमल सैनी, पार्षद दीपिका सोनी, सुनिता बाकोलिया, किरोडीलाल मीणा, असलम खां, चन्द्रभान शर्मा, सुरेश गहलोत, पार्षद सुभाष सैनी, विनोद मीणा, सुरेन्द्र ढंढ ने रफीक मंडेलिया को विजयी बनाने की अपील की। कांग्रेस के पक्ष में जनता के रूझान को देखते हुए चूरू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी रफीक मंडेलिया की कम से कम 20 हजार मतों से जीत का दावा किया जा रहा है।

'राज्य की जनता का हर वोट महत्वपूर्ण और वह पांच साल के भविष्य का निर्धारण करेगा'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश की जनता से 25 नवम्बर को मतदान की अपील करते हुए कहा है कि आमजन अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर मतदान जरूर करें। राज्य की जनता का हर वोट महत्वपूर्ण और वह वोट ही अगले पांच साल के भविष्य का निर्धारण करेगा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा है कि हर व्यक्ति वोट देने के लिए जाए तो कांग्रेस सरकार के पिछले पांच सालों में किए गए कुकर्मों को अपने ध्यान में रखे। ऐसे में राजस्थान से भ्रष्टाचार समाप्त करने, तुष्टीकरण खत्म कर सामाजिक समरसता के लिए और राज्य के विकास के लिए बढ़-चढ़कर मतदान करें।

■ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश की जनता से मतदान की अपील की

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राज्य में 25 नवम्बर को विधानसभा चुनावों के लिए होने वाले मतदान में प्रदेश की जनता भाजपा को प्रचण्ड बहुमत देने में अपनी भूमिका निभाएं। प्रदेश की जनता ने पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस सरकार के कुकर्मों और कुशासन से दुखी होकर इस सरकार को उखाड फैंकने का मन बना लिया है। इसके चलते प्रदेश में इस बार मतदान के दिन आमजन ईवीएम में कमल के सामने वाला बटन ऐसे दबाएंगे जैसे कांग्रेस नेताओं को सजा दे रहे हों। राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि राज्य में पिछले पांच साल के कांग्रेस शासन में समाज का हर वर्ग कांग्रेस की नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग रहा है। यहां इस पर कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों ने भ्रष्टाचार का जो तांडव मचाया है वह राजस्थान के इतिहास में इससे पहले किसी ने नहीं देखा। प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करेगी और भाजपा की सरकार बनाएगी। राजस्थान में कांग्रेस के पांच सालों में अशोक गहलोत का एजेण्डा अपने परिवार और कुर्सी को ईदगिर्द ही घूमता रहा।

भाजपा जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेचा ने कहा कि करौली में रामनवमी की यात्रा पर पथराव के लिए भी बहुसंख्यक वर्ग के किशोरो पर मुकदमें दर्ज किए गए जबकि इसमें कई किशोर तो वयस्क भी नहीं थे। ऐसे में बहुसंख्यक वर्ग पर कानूनी कार्रवाई और एक धर्म विशेष के लोगों पर कानूनी कार्रवाई नहीं करना प्रदेश की जनता ने देखा और समझ लिया। अब यह जनता ऐसी बहुसंख्यक विरोधी सरकार को उखाड फेंकने के लिए मतदान करेगी। जोधपुर नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ ने कहा कि राज्य में 2 लाख से अधिक महिला उत्पीडन के मामले दर्ज हुए हैं, 35 हजार से अधिक दुष्कर्म, 15 हजार बच्चियों के साथ रेप, यहां प्रतिदिन 19 बलात्कार होते हैं और अकेले राजस्थान में 22 फीसदी दुष्कर्म के मामले होते हैं। फिर भी मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत पर कोई फर्क नहीं पड़ा और कानून व्यवस्था रोकने में नाकाम रही सरकार अपने राजधर्म का पालन नहीं कर पाई। इसके कारण राज्य में महिलाएं एकजुट होकर अशोक गहलोत के खिलाफ और नरेंद्र मोदी के साथ नजर आ रही हैं।

भारतीय क्रिकेटर नवदीप सैनी ने रचाई शादी

उदयपुर, (कासं)। टीम इंडिया में अगस्त 2019 में डैब्यू करने वाले तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने अपनी प्रेमिका स्वाति अस्थाना के साथ गुरूवार को लेकसिटी में शादी रचाई। यह शादी देबारी स्थित आनंदम रिसोर्ट में हुई। इस शादी में बड़े वीवीआईपी मेहमानों की फेहरिस्त नहीं थी। नवदीप आस्ट्रेलियां के साथ हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरिज में टीम इंडिया का हिस्सा भी है।

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी जो हरियाणा के करनाल जिले के है उन्होंने गुरूवार को उदयपुर के देबारी स्थित आनंदम रिसोर्टस में अपनी प्रेमिका स्वाति अस्थाना से वैवाहिक बंधन में बंध गए। विवाह आयोजनों के तहत दिन में पंजाबी रीति-रिवाज से विवाह हुआ।

शाम को उदयपुर के चांदपोल निवासी पंडित बनवारी शरण शास्त्री ने हिन्दु रीति-रिवाज से मंत्रोच्चारण व फेरों के साथ उनकी शादी कराई। शादी समारोह में नवदीप व स्वाति के परिजन, उनके रिश्तेदारों के साथ सीमित मेहमान ही शामिल हुए। इस शादी में वीवीआईपी मेहमानों की फेहरिस्त नहीं थी। ऐसे में इसकी भनक किसी को नहीं लगी। नवदीप को शादी के कई आईपीएल व टीम इंडिया के क्रिकेटरों ने उनके सोश्यल अकाउंट पर बधाई दी। स्वाति सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है।

हादसे में युवक की मौत

हलैना, (निसं)। कस्बा हलैना के अतिराम सागर में 17 वर्षीय एक युवक की गिर जाने से मौत हो गई, जो सागर किनारे खड़ा था। अचानक बंदरो ने युवक पर हमला कर दिया। जिसके बचाव में ये घटना घटी। कस्बा के लोग व परिजनो ने पौन घंटा तक कड़ी मेहनत कर सागर से युवक को निकाला और पुलिस को उक्त घटना की जानकारी दी। सूचना पर थाना प्रभारी नरेश पोषवाल आए और शव को कब्जे में लेकर युवक के शव को हलैना के मृतक घर में रखवा दिया। मृतक का पोस्टमार्टम शनिवार को होगा। थाना प्रभारी नरेश पोषवाल ने बताया कि कस्बे के अतिरामसागर में युवक के गिर जाने की सुचना प्राप्त हुई, जिस सुचना पर भरतपुर और जयपुर से गौतखोर और टीम बुलाई।

नए मतदाताओं को है मतदान करने की उत्सुकता

जैसलमेर, (निसं)। सरहदी जिले के युवा जिन्हें प्रशासन द्वारा 25 जनवरी को मतदान करने का हक प्रदान किया गया, आज अपने जीवन में पहली बार मतदान करके खुशी का इजहार होगा। जैसलमेर जिले का इतिहास रहा है कि यहां चुनाव की पहली रात्रि को मतदाताओं को भ्रमित किया जाता रहा है। इस बार प्रशासन चप्पे-चप्पे पर चौकसी बरत रहा है। कांग्रेस के जैसलमेर पोकरण विधायकों का टंटा पांच साल से जारी है।

गहलोत द्वारा रामदेवरा यात्रा के दौरान जैसलमेर और पोकरण के विधायकों के हाथ मिलवा कर फोटो वायरल करवाया था। अब शुक्रवार रात्रि को दोनों गहलोत के इसारे से एक हो जाते हैं तो बाजी पलट सकती है, परन्तु गहलोत और सचिन की तरह दोनों विधायकों को एक दूसरे को हराने की ठान ली तो पोकरण, जैसलमेर दोनों विधानसभा भाजपा के पाले में आने की संभावना बन जायेगी। पोकरण प्रत्याशी ने जैसलमेर से टिकिट अपने पसंद के प्रत्याशी को दिलाने का जोर लगाया, लेकिन विफल रहे। अब पोकरण प्रत्याशी रातों रात उन्हे हराने हेतूके लिए साम, दाम, भेद और दंड का उपयोग अवश्य करेगें। पोकरण प्रत्याशी नहीं चाहते कि जिले की कांग्रेस राजनीति में कोई दूसरा उनके बीच में आए उसके लिए वो पूरे राजनीति अनुभव को दाव पर रातों रात लगा सकते हैं।

मसूदा विस. के प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

बिजयनगर, (निसं)। मसूदा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपनी पूरी ताकत झोंक दी। चुनावी शोर थमने से पहले गुरुवार को प्रमुख पार्टी के नेताओं एवं चुनाव मैदान में खड़े प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत के साथ अपने-अपने मत पक्ष में वोट साधने का हर संभव प्रयास किया।

■ प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत के साथ अपने-अपने मत पक्ष में वोट साधने का प्रयास किया

मसूदा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस नेता वाजिद खान चिता बसपा प्रत्याशी बनकर चुनावी मैदान में हैं वही कांग्रेस के पूर्व पालिका अध्यक्ष सचिन सांखला ने आरएलपी से प्रत्याशी बनकर चुनावी मैदान में डटे हुए हैं। कांग्रेस से राकेश पारीक बीजेपी से वीरेंद्र सिंह कानावत चुनाव मैदान में अपनी समर्थकों के साथ जन संपर्क करते हुए अपने-अपने पक्ष में मतदान करने के लिये व्यापक स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। बसपा से उम्मीदवार वाजिद खान के समर्थकों ने व्यापक स्तर पर जनसंपर्क करते हुए अपने पक्ष में मतदान की अपील की। आरएलपी प्रत्याशी सचिन सांखला ने शहरी क्षेत्रमैं व्यापक स्तर पर जनसंपर्ककर नागरिकों सेअपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

सचिन सांखला के समर्थकों ने जगह-जगह माल साफा पहनकर स्वागत किया। आरएलपी प्रत्याशी सचिन सांखला ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए जनसंपर्क करने में जुटे रहे। निर्दलीय प्रत्याशी सुनील कुमार जैन द्वारा भी जनसंपर्क किया गया। कांग्रेस प्रत्याशी राकेश पारीक ने बुधवार को शहर के मुख्य बाजारों एवं विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क रैली निकालते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह कानावत के समर्थकों ने गुरुवार को अपने समर्थकों के साथ रैली निकाल प्रचार प्रसार किया गया। भाजपा प्रत्याशी कानावत का जगह-जगह पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने स्वागत किया।

मतदान दल रवाना

जोधपुर, (कासं)। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी हो चुकी है। शनिवार की सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी।

इस पर चुनाव आयोग ने चुनाव का समय दो घंटे तक बढ़ा दिया है। पूरी हो चुकी तैयारियों के भोंपू प्रचार कल थम गया था, वहीं शुक्रवार को प्रत्याशियों का केवल डोर टू डोर जनसंपर्क बना रहा। ना तो टैक्सियों में भोंपू की गूंज सुनाई ना ही सभाएं हो पाई। जिले की दस विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों ने अंतिम दिन सुबह से जनसंपर्क कर मानमुनावल स्वीकार की।

कई व्यापारिक संगठनों ने एकत्र होकर प्रत्याशियों का मानसम्मान किया तो कुछ ने मतदान को लेकर विचार विमर्श किया। शनिवार को होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों की रवानगी भी सुबह शुरू हो गई। मतदान दलों को पॉलिटेक्रिक कॉलेज परिसर से रवाना किया गया। मगर यहां गेट खोलने को लेकर व्यवस्थाएं सही नहीं होने से एकबारगी वाहनों का लंबा जाम बन गया। बाद में जैसे तैसे व्यवस्था बनाकर एक एक कर मतदान दलों की रवानगी हो सकीं।

रीको की एक फैक्ट्री में शराब व रूपये बांटने की अफवाह झूठी निकली

प्रशासन की सतर्कता के चलते अफवाह पर लगाई लगाम, फैक्ट्री में टीम को कुछ नहीं मिला

तारानगर, (निसं)। तारानगर के रीका औद्योगिक एरिया अलायला रोड़ पर एक फैक्ट्री में शराब व पैसे बांटने व संग्रह की खबर को लेकर पूरे क्षेत्र में अफवाह फैल गई जिसको लेकर वहां पर हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हो गये।

अचानक इस तरह की खबर सुनकर स्वंय उपखण्ड अधिकारी, डीवाईएसपी, तहसीलदार, थानेदार सहित उड़नदस्ता की टीम मौके पर आर्मी के सैंकड़ों की संख्या में जवान के साथ पहुंचे। मौके पर हो हल्ला मचा रहे लोगों को आर्मी के जवान व पुलिस ने नियंत्रण में कर वहां से भगाया। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर किसी ने अफवाह फैला दी कि एक फैक्ट्री में चुनाव के दिन या उससे पहले मतदाताओं को लुभाने वाली कोई वस्तुओं से भरी गाड़ीयां पहुंची है। जब मौके पर उपखण्ड अधिकारी सहित निर्वाचन विभाग की गठित टीम ने मौका मुआयना किया तो कुछ नहीं मिला।

रीको औद्योगिक ऐरिया की फैक्ट्री जिसको लेकर अफवाह फैलाई गई जो झूंठी निकली।

■ फैक्ट्री के आगे हजारों की संख्या में भीड़ हुई एकत्रित, पुलिस व आर्मी मौके पर पहुंची

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि हमारी टीम नें जांच कर ली है, अभी तक मेरे पास किसी तरह की कोई जांच रिपोर्ट नहीं आई है लेकिन हमें फैक्ट्री में किसी प्रकार की कोई ऐसी वस्तु नहीं मिली जिससे मतदाताओं को लुभाने का काम हो सके या किसी तरह कोई भी गाड़ी नहीं मिली जिसमें कोई अवैध सामान हो या मतदाताओं को लुभाने वाली कोई वस्तुऐं भरी हो।

गौरतलब है कि तारानगर क्षेत्र में अफवाह फैली कि उक्त फैक्ट्री में शराब व रूपयों से भरी हुई गाड़ीयां खड़ी है जिससे उक्त शराब व रूपये बांटे जायेंगे लेकिन अफवाह गलत व झूठी साबित हुई।

चुनाव के लिये जिला प्रशासन की पूर्ण तैयारी, अब मतदाताओं की बारी

जिला मुख्यालय की सेठ मोतीलाल कॉलेज परिसर से मतदान दलों की रवानगी हुई।

झुंझुनूं, (निसं)। शनिवार को जिले के 1737 मतदान केन्द्रों पर कुल 18,02,106 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 9,42,237 पुरूष तथा 8,59,857 महिला मतदाता शामिल हैं। शुक्रवार को जिला मुख्यालय की सेठ मोतीलाल कॉलेज परिसर से मतदान दलों की रवानगी हुई। मतदान से पहले उन्हें तृतीय प्रशिक्षण देकर मतदान के लिए उपयोग में ली जाने वाली ईवीएम, वीवीपैट सहित अन्य सामग्री सौंपी गई।

मतदान दलों की रवानगी के समय जिला निर्वाचन अधिकारी बचनेश अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई ने मतदान कर्मियों को सजग, सतर्क रहकर मतदान केन्द्र पर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयानुसार संपादित करने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर धैर्य रखकर निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए प्रबंधन रखने की बात कही। इस दौरान महिला मतदान कर्मियों में भी मतदान को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। जिला निर्वाचन अधिकारी बचनेश अग्रवाल ने बताया कि पिलानी विधानसभा क्षेत्र में 235 मतदान केन्द्र बनाए गए है। वहीं सूरजगढ़ क्षेत्र में 289 मतदान केन्द्र, झुंझुनू में 249 मतदान केन्द्र, मण्डावा में 256 मतदान केन्द्र, नवलगढ़ में 260 मतदान केन्द्र, उदयपुरवाटी में 232 मतदान केन्द्र, खेतड़ी में 209 मतदान केन्द्र बनाए गए है।

इसके अतिरिक्त पिलानी में 2, सूरजगढ़ में 4 तथा झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र में 1 सहायक मतदान केन्द्र भी बनाए गए हैं। पिलानी विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,46,713 मतदाता है, जिनमें 1,28,503 पुरूष तथा 1,18,210 महिला मतदाता शामिल है।

इसी प्रकार सूरजगढ़ में कुल 2,83,368 मतदाता हैं, जिनमें 1,47,934 पुरूष तथा 1,35,434 महिला मतदाता, झुंझुनू में कुल 2,68,913 मतदाता है, जिनमें 1,40,142 पुरूष तथा 1,28,765 महिला मतदाता, मंडावा में कुल 2,45,633 मतदाता है, जिनमें 1,27,594 पुरूष तथा 1,18,037 महिला मतदाता, नवलगढ़ में कुल 2,78,117 मतदाता है, जिनमें 1,45,260 पुरूष तथा 1,32,854 महिला मतदाता, उदयपुरवाटी कुल 2,56,269 मतदाता है, जिनमें 1,34,699 पुरूष तथा 1,21,569 महिला मतदाता तथा खेतड़ी कुल 2,23,093 मतदाता है, जिनमें 1,18,105 पुरूष तथा 1,04,988 महिला मतदाता शामिल है। जिले में इस बार 7 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 28,268 सर्विस वोटर्स है। जिले की पिलानी विधानसभा क्षेत्र में 2,850 मतदाता, सूरजगढ़ में 8,101, झुंझुनू में 3,446, मंडावा में 2,916, नवलगढ़ में 2,501, उदयपुरवाटी में 3,695 तथा खेतड़ी में 4,759 सर्विस वोटर्स है।

मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण एक को

सीकर, (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सौरभ स्वामी ने आदेश जारी कर आम चुनाव 2023 के लिए 3 दिसम्बर को श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर में विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना करने के लिए निर्धारित प्रपत्रों में सांख्यिकी सूचना तैयार करने के लिए कार्मिकों को विधानसभा वार नियुक्त किया है। संबंधित कार्मिक आवंटित विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी के निर्देशन में कार्य सम्पादन करेंगे एवं समस्त सांख्यिकी सूचना तैयार करने का सम्पूर्ण दायित्व संबंधित ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी का होगा। उन्होंने निर्देशित किया है कि मतगणना के लिए एक दिसम्बर 2023 को प्रातः 11 बजे कार्यालय सहायक निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग सीकर में प्रशिक्षण दिया जायेगा एवं 3 दिसम्बर को प्रातः 6.30 बजे श्री कल्याण कन्या महाविद्यालय सीकर में अपनी उपस्थिति देना सुनिश्चित करें। मतगणना में नियुक्त कार्मिकों को नियमानुसार मानदेय देय होगा। मतगणना के पश्चात आवंटित विधानसभा क्षेत्र का सम्पूर्ण सांख्यिकी सूचनाओं से संबंधित रिकॉर्ड सांख्यिकी प्रकोष्ठ कक्ष में जमा करवाकर प्रभारी अधिकारी, सांख्यिकी सूचना प्रकोष्ठ से अनुमति प्राप्त कर मतगणना स्थल छोडेंगे।

सुगम मतदान के लिये कार्यों में स्काउट-गाइड देंगे सहयोग

स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में सेमिनार का आयोजन किया।

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देश के अनुपालना में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू द्वारा सामुदायिक विकास सेमिनार का आयोजन स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में किया गया।

सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि सेमिनार में 13 महाविद्यालयों के 62 रोवर रेंजर एवं 6 लीडर्स सहभागीता कर रहे हैं। सेमिनार में उपराष्ट्रपति अवार्ड शील्ड के बारे में सीओ गाइड सुभिता महला ने विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सामुदायिक सेवा जैसे स्वच्छता चेतना, स्वच्छता अभियान, पार्क सफाई, नशा उन्मूलन पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, बाल विवाह रोकथाम, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम जैसे कार्य करते हुए लॉग बुक का निर्माण किया जाता है। जो राज्य मुख्यालय प्रेषित की जाती उसके बाद मूल्यांकन के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। सीओ स्काउट महेश कलावत ने बताया कि ने सामुदायिक सेमिनार के दौरान रोवर्स रेंजर्स को युवा गतिविधि से संबंधित विभिन्न प्रकार के शिविरों के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि राजस्थान प्रदेश में डेजर्ट ट्रैकिंग जैसलमेर, नेशनल डेजर्ट ट्रैकिंग बीकानेर, स्टेट एडवेंचर ट्रेनिंग शिविर माउंट आबू में संचालित किया जा रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित रोवर रेंजर्स को मतदान कार्य में सुगम मतदान में आवश्यक कार्य हेतु मास्टर ट्रेनर ताराचंद यादव एवं विजय गर्वा तथा वरिष्ठ स्काउटर रामदेव सिंह गढ़वाल एवं रोवर लीडर सौरव केडिया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। ताराचंद यादव व कब मास्टर दिनेश कुमार ने आवश्यक सहयोग किया। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि सुगम मतदान हेतु इन रोवर्स रेंजर्स द्वारा शहर के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर आवश्यक सहयोग किया जाएगा तथा इसी प्रकार पूरे जिले में प्रति मतदान केंद्र दो दो स्काउट गाइड साइनेज के रूप में कार्य करते हुए वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को मतदान करने में आवश्यक सहयोग करेंगे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर कल

झुंझुनूं, (निसं)। ठा. चतुर सिंह शेखावत की जयन्ती के उपलक्ष्य में ठा. चतुर सिंह शेखावत स्वास्थ्य संस्थान के द्वारा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन 26 नवम्बर रविवार को किया जाएगा। शिविर ठा. चतुर सिंह शेखावत स्वास्थ्य संस्थान, एच-1 रीको इण्ड. एरिया (रीको मैनेजर क्वार्टर के पास) में सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाएगा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ नगेन्द्र सिंह शेखावत व डॉ माया हाडा, जनरल फिजिशियन डॉ अर्जुन सिंह शेखावत, डॉ भानुप्रताप सिंह राठौड़, डॉ आदित्य प्रताप सिंह शेखावत व डॉ राज्यवर्धन सिंह राठौड़, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्रीमती पवन राठौड़, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रतिभा शेखावत, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पेन्द्र शेखावत, अस्थि/हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ विशाल शेखावत, डॉ विक्रांत शेखावत, क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ आरती शेखावत तथा दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक सिंह भाटी अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में दवाइयों का वितरण भी निःशुल्क किया जाएगा।

चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नौ को

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सम्पूर्ण राजस्थान में वर्ष 2023 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 09.12.2023 को किया जा रहा है।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन में किसी नागरिक एवं सरकार या उसके किसी विभाग/उपक्रम के मध्य सभी प्रकार के विवाद (राजस्थान लिटिगेशन पॉलिसी, 2018 के तहत निराकरण के प्रयास), मोटर दुर्घटना दावों से संबंधित क्लेम के विवाद, घातक दुर्घटना अधिनियम से संबंधित क्लेम के विवाद, धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम के विवाद, धन वसूली के सभी प्रकार के विवाद के मामलों के तहत वसूली के हर प्रकार के मामलों सहितद्ध, गृहकर/नगरीय विकास कर के विवाद (जो स्थानीय निकायों द्वारा वसूल किया जाता है), शहरी जमाबंदी के (जो डवलपमेंट अथॉरिटीज/यूआईटी द्वारा वसूल की जाती है), फसल बीमा पॉलिसी से संबंधित विवाद, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं ग्राहकों के मध्य विवाद, श्रम एवं नियोजन संबंधी विवाद, पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं यथाः निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास योजना, प्रसूति सहायता योजना, हिताधिकारी की सामान्य अथवा दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की दशा में सहायता, योजना, सिलिकोसिस पीडित हिताधिकारियों हेतु सहायता योजना, शुभ शक्ति योजना, निर्माण श्रमिक सुलभ्य आवास योजना, निर्माण श्रमिक औजार/टूलकिट सहायता योजना, निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना, निर्माण श्रमिक एवं उनके आश्रित बच्चों द्वारा भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवा हेतु आयोजित प्रारम्भिक प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन योजना आदि प्रकरण चिह्नित किए जा रहे है।

हेला टोली सदस्य बढ़ायेंगे मतदान प्रतिशत

1627 बूथों पर 13 हजार से अधिक हेला टोली लोग सक्रिय रहकर करेंगे सहयोग

बीकानेर, (कासं)। कोई भी मतदाता मतदान से वंचित नहीं रहने देने के प्रशासन के संकल्प के साथ जिले के 1627 बूथों पर 13 हजार से अधिक हेला टोली लोग सक्रिय रहकर जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को दृढ़ संकल्पित हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद के निर्देशानुसार स्वीप वार रूम प्रभारी सीईओ नित्या के. ने सभी 1627 बूथों पर बीएलओ, ग्राम विकास अधिकारियों अध्यापकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों को मिलाकर करीब तेरह हजार लोगों को हेला टोली के रूप में सक्रिय किया है जो कम मतदान की स्थिति में मतदाताओं को प्रेरित कर संबंधित बूथ तक लायेंगे। इससे संबंधित जिला स्वीप रूम दल की मीटिंग को सीइओ ने संबोधित कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। नित्या के. ने बताया कि 173 बूथों को संभावित कम मतदान प्रतिशत वाले मानकर उन पर पहले से ही फोकस किया गया है। जबकि मतदान के दौरान 11बजे तक 25 प्रतिशत से कम तथा 1बजे तक 50 प्रतिशत से कम मतदान होने की सूरत में हेला टोली स्वयमेव सक्रिय हो जायेगी।

नित्या के. ने बताया कि जिले में 33 बूथों को थीम आधारित बूथ बनाया गया है। जिनमें जिले के परंपरागत एवं प्रसिद्ध स्थानों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं और बहुरंगी सजावट करके आकर्षक बनाया गया है। इसके अलावा आज पूरे जिले में पीले चावल वितरण करने का कार्य जोर शोर से चला। जिसमें घर- घर जाकर मतदान के लिए आमंत्रित किया गया। नित्या के. ने बताया कि जिले में 56 नारी शक्ति बूथ भी बनाये गए हैं जिनमें मतदान कार्मिक महिलाएं है। इनमें से चार में विशेष सजावट की गई है।

कोलायत मेले के लिए चलेंगी 2 स्पेशल ट्रेन

बीकानेर, (कासं)। रेलवे की ओर से कोलायत में 27 नवम्बर को आयोजित होने वाले कपिल मुनि मेले में यात्रियों की सुविधा के लिए बीकानेर-कोलायत-बीकानेर (03 जोडी) एवं लालगढ़-कोलायत-लालगढ़ स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 04807 बीकानेर-कोलायत स्पेशल 27 नवम्बर को बीकानेर से शाम 4.50 बजे रवाना होकर शाम 6.10 बजे कोलायत पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04808 कोलायत- बीकानेर स्पेशल 27 नवम्बर को कोलायत से 6.40 बजे रवाना होकर रात 8 बजे बीकानेर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में लालगढ़, गजनेर स्टेशन पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 04809 बीकानेर-कोलायत स्पेशल 27 नवम्बर को बीकानेर से 10.30 बजे रवाना होकर 11.40 बजे कोलायत पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04810 कोलायत-बीकानेर स्पेशल 27 नवम्बर को कोलायत से 12.20 बजे रवाना होकर 13.40 बजे बीकानेर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में लालगढ़, गजनेर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 04805 बीकानेर-कोलायत 27 नवम्बर को बीकानेर से 15.00 बजे रवाना होकर 16.40 बजे कोलायत पहुंचेगी।

बीकानेर जिले में 1640 मतदान केन्द्रों पर आज होगा मतदान

बीकानेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 25 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए जिले की सातों विधानसभा क्षेत्र में मतदान करवाने के लिए मतदान दल शनिवार को जिला मुख्यालय से रवाना हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल की उपस्थिति में मतदान दलों को तृतीय प्रशिक्षण दिया गया और इसके पश्चात आवश्यक सामग्री का वितरण कर गंतव्य स्थलों के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र की बुनियाद है। इसके सफल संपादन में मतदान दल प्रथम पंक्ति की भूमिका में है। सभी कार्मिक निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से गंभीरता कार्य करते हुए इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव नियमों की अक्षरशः अनुपालना करें।

भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि मतदान दल कार्मिकों की सुविधा के लिए बीकानेर एज मोबाइल एप विकसित किया गया है। सभी सूचनाएं, मोबाइल नम्बर, बूथ लोकेशन, रूट मैप, कम्प्यूनिकेशन प्लान सहित समस्त सूचनाएं इस एप पर उपलब्ध है। किसी भी आवश्यकता के लिए पोलिंग पार्टी इस एप पर सूचना भेजें। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि सभी पोलिंग पार्टी के गंतव्य स्थल पर पहुंचने की सूचना बीकानेर एज के माध्यम से स्वतः अपडेट हो जायेगी। रिटर्निंग अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर इस एप्लीकेशन के माध्यम से मतदान प्रक्रिया पर बारीकी से निगरानी की जा रही है।

विधान सभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पूरे उत्साह के साथ मतदान दल अपने गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हुए। राजकीय डूंगर महाविद्यालय से श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर पूर्व तथा पश्चिम बीकानेर पश्चिम विधानसभा के लिए मतदान दलों की रवानगी हुई। जबकि पॉलिटेक्निक कॉलेज से खाजूवाला, लूणकरनसर, नोखा और कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान दल रवाना हुए। मतदान समाप्ति के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम पॉलिटेक्निक कॉलेज के संग्रहण केन्द्र में जमा करवा दी जायेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1640 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 1627 मुख्य मतदान केन्द्र तथा 13 सहायक मतदान केन्द्र हैं। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में 226 मूल तथा एक सहायक सहित कुल 227 मतदान केन्द्र है। बीकानेर पश्चिम में 194 मूल तथा 3 सहायक सहित कुल 197, बीकानेर पूर्व में 197 मूल तथा 6 सहायक मतदान केन्द्र सहित कुल 203 मतदान केन्द्र बनाये गए हैं। इसी प्रकार कोलायत विधानसभा क्षेत्र में 277 मूल तथा एक सहायक सहित कुल 278 मतदान केन्द्र बनाये गए हैं। लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र में 234 मूल तथा एक सहायक सहित कुल 235, डूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 241 तथा नोखा में 258 मूल तथा एक सहायक मतदान केन्द्र सहित 259 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जायेंगे।

विधानसभा आम चुनाव-2023 के तहत संभागीय आयुक्त श्रीमती उर्मिला राजोरिया ने मतदाताओं से निष्पक्ष होकर मतदान करने की अपील की है। जारी अपील में उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिये निष्पक्ष एवं स्वतंत्र मतदान करना आवश्यक है।

सार-समाचार

मंडावा में सुमन का बढ़ता काफिला

झुंझुनूं, (निसं)। मंडावा विधानसभा क्षेत्र में जहां वर्तमान विधायक रीटा चौधरी कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनावी समर में उतरी हुई है वहीं झुंझुनू सांसद नरेंद्र कुमार भाजपा की टिकट पर चुनावी वैतरणी पार करने की जुगत में है। मंडावा विधानसभा क्षेत्र में से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर डॉ आरके सुमन दोनों ही प्रमुख दल भाजपा कांग्रेस को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। डॉ सुमन अपने चुनाव प्रचार के तहत विधानसभा क्षेत्र के हर गांव ढाणी-ढाणी तक पहुंच कर मतदाताओं से मत और समर्थन देने की अपील कर रहे हैं। डॉ सुमन प्रचार के अंतिम तिथि तक मंडावा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव का दौरा कर चुके हैं। मंडावा विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने डॉ सुमन का जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया वहीं पुष्प वर्षा कर मान सम्मान किया। विदित रहे डॉ सुमन की निःस्वार्थ जन सेवा की भावना को देखते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने भी मंडावा विधानसभा क्षेत्र से अपना पार्टी प्रत्याशी ना उतार कर डॉ सुमन को अपना समर्थन दिया है। भीम आर्मी चीफ आजाद और आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बेनीवाल के समर्थन मिलने से डॉ आरके सुमन का काफिला बढ़ता जा रहा है वहीं भाजपा कांग्रेस प्रत्याशियों की नींद उड़ी हुई है।

मतदान करने की अपील

झुंझुनूं, (निसं)। मतदान की पूर्व संध्या पर जिला निर्वाचन अधिकारी बचनेश कुमार अग्रवाल ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में आवश्यक रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान आवश्यक है। अग्रवाल ने कहा कि मतदाता यह नहीं सोचें की उनके एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा, लोकतंत्र में सबके मत की कीमत बराबर है, इसलिए मतदान अवश्य करें। उन्होंने बताया कि जिले में शांतिपूर्ण, निर्भिक मतदान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए माकूल व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता अपने मतदान केन्द्र पर जाकर भारत निर्वाचन आयोग की और से जारी दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज (मतदाता निर्वाचक फोटो पहचान पत्र के अलावा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों, डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र, राज्य, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड) को साथ लेकर जाए और अपना वोट देवें।

धारा 144 निषेधाज्ञा प्रभावी रहेगी

झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव 2023 के तहत जिले में धारा 144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा जारी की गई है। जिला मजिस्ट्रेट बचनेश अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान कोई भी व्यक्ति किसी मतदान क्षेत्र में किसी भी निर्वाचन के लिए मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटों की कालवधि के दौरान निर्वाचन के संबंध में कोई सावर्जनिक सभा या जुलूस न बुलाएगा, न आयोजित करेगा, न उसमे उपस्थित होगा, न उसमें सम्मिलित होगा और न उसे सम्बोधित करेगा। इसी पकार चलचित्र, टेलीविजन या वैसे ही अन्य, साचित्रों द्वारा जनता के समक्ष किसी निर्वाचन संबंधी बात का संप्रदर्शन नहीं करेगा। इस समय अवधि के दौरान कोई संगीत समारोह या कोई नाट्यय अभिनय या कोई अन्य मनोरंजन या आमादे-प्रमोद जनता के सदस्यों को उनके प्रति आकर्षित करने की दृष्टि से, आयोजित करने या उसके आयोजन की अव्यवस्था करके जनता के समक्ष किसी निर्वाचन संबंधी बात का प्रचार नहीं करेगा।

फ्लोरेटो वर्ल्ड स्कूल को 11 मेडल

सीकर, (निसं)। पालवास रोड, सीकर स्थित फ्लोरेटो वर्ल्ड क्लास आईसीएसई स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल जीके ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 मेडल जीते हैं। फ्लोरेटो की आराध्या, अव्यान, आरवी, छविष्का, धीरल, प्रियांशु, वत्सल, अव्यान, ईशान, युवेन एवं हिमांशु ने गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस जीता है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा में विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर फ्लोरेटो स्कूल में उत्साह का माहौल रहा। प्रिंस एजुहब निदेशक जोगेंद्र सुण्डा, चेयरमैन डा. पीयूष सुण्डा, मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन, फ्लोरेटो स्कूल प्रबंध निदेशिका डा. मिनाली सुण्डा एवं प्रिंसिपल रिंकू शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाइयां दी। गौरतलब है कि फ्लोरेटो में प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थी को स्कूलिंग के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी कराई जाती है।

सवैतनिक अवकाश मिलेगा

झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव को लेकर 25 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए मनरेगा श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा। जिला परिषद सीईओ जवाहर चौधरी ने बताया कि मतदान को लेकर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की आयुक्त शिवांगी स्वर्णकार ने निर्देश जारी किए हैं। इसको लेकर पंचायत समितियों के सभी विकास अधिकारियों को मनरेगा श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित इंदिरा रसोई में भी मतदान दिवस को अवकाश रहेगा।

नियंत्रण कक्ष स्थापित

झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव 2023 के अंतर्गत जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर उस संबंधित क्षेत्र के सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता व कार्मिकों के मोबाईल नं. की सूची चस्पा कर दी गई है। बिजली संबंधी समस्या आने पर मतदान दल अधिकारी द्वारा उन मोबाईल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकता है, जिससे विद्युत समस्या का समाधान किया जा सकें। इसी प्रकार जिला स्तर पर अधीक्षण अभियंता कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसमें दूरभाष 01592-232790 पर सम्पर्क करें।

विधानसभा चुनाव : सवा 5 करोड़ मतदाता चुनेंगे 199 विधानसभा क्षेत्रों में विधायक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में नई सरकार चुनने के लिए 199 विधानसभा क्षेत्रों में आज सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। प्रदेश के 51 हजार 507 मतदान केन्द्रों पर सवा 5 करोड़ से अधिक मतदाता अपना-अपना विधायक चुनने के लिए मतदान करेंगे। निर्वाचन विभाग ने मतदान से जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली है, शुक्रवार को मतदान दल और सुरक्षा जाप्ता भी अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गया। इस बार 2.75 लाख कर्मचारी मतदान संपन्न करवाएंगे। सुरक्षा के एहतियात से 6247 सेक्टर अफसर तथा एक लाख से ज्यादा राजस्थान पुलिस, होम गार्ड व 700 कंपनियों के सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

राजस्थान के सबसे ऊंचे मतदान केन्द्र शेरगांव के लिए मतदान दल शुक्रवार को रवाना हुआ है। नवीन भवन विद्यालय से प्रशिक्षण के पश्चात सबसे पहले रवाना हुआ है। गुरुशिखर से करीब 17 किलोमीटर पैदल चलकर मतदान दल शेरगांव पहुंचेगा, जहां पर 118 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। निर्वाचन विभाग की ओर से यहां पहली बार मतदान केंद्र बनाया गया है। इससे पूर्व शेरगांव के मतदाता 10 किलोमीटर पैदल चलकर उतरज में वोट डालने जाते थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इस बार विधानसभा चुनाव में 18 से 30 वर्ष की उम्र के 1.71 करोड़ मतदाता वोट डाल सकेंगे, इनमें भी 22.61 लाख युवा वोटर्स की उम्र 18 से 19 के बीच है। राज्य में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने के लिए मतदाताओं की सुविधा को देखते हुए 51 हजार 507 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 10,501 मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्र में और 41,006 ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए हैं। जिला स्तरीय कंट्रोल रुम से लाइव वेबकास्टिंग के जरिए मतदान केन्द्रों पर निगरानी रहेगी। प्रदेशभर में 65,277 बैलट यूनिट, 62,372 कंट्रोल यूनिट और 67,580 वीवीपैट मशीनें रिजर्व सहित मतदान कार्य में उपयोग ली जाएंगी।

उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए 6,287 माइक्रो आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी मय रिजर्व नियुक्त किए गए हैं, जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो ईवीएम संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेंगे। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए हर विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे, जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केन्द्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी।

गुप्ता ने बताया कि 2,74,846 मतदान कर्मी मतदान सम्पन्न कराएंगे। 7960 महिला मतदानकर्मी महिला प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर कमान संभालेंगे। सभी मतदान बूथों पर मतदान हेतु व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लेते हुए वहां आने वाले दिव्यांगजन एवं 80 वर्ष की आयु के वरिष्ठ मतदाता अपना मत बिना किसी असुविधा के डाल सकते हैं।

प्रवीण गुप्ता ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान करवाने के लिए कुल 1,02,290 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 69,114 पुलिस कर्मी, 32,876 राजस्थान होमगार्ड, फोरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवानों का बल तैनात किया गया है एवं की 700 कंपनियां तैनात की गयी है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए मतदान दिवस पर सघन जांच एवं निगरानी के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3 फ्लाइंग स्क्वॉड, 3 एसएसटी दल तैनात रहेंगे। व्यय संवेदनशील मतदान केन्द्रों में एक-एक अतिरिक्त एफएस और एसएसटी की तैनाती मतदान दिवस पर की जाएगी। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर कम से कम तीन क्यूआरटी की उपलब्धता रहेगी।

प्रिया सेठ सहित तीनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले के सत्र न्यायालय ने डेटिंग ऐप के जरिए प्रेमजाल में फंसाकर युवक की हत्या करने के मामले में अभियुक्त प्रिया सेठ उसके प्रेमी दीक्षांत कामरा और एक अन्य अभियुक्त लक्ष्य वालिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर कुल चार लाख 53 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राघवेन्द्र पारीक और परिवादी के अधिवक्ता संदीप लुहाडिया ने अदालत को बताया कि 3 मई, 2018 को रामेश्वर प्रसाद ने झोटवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसका बेटा दुष्यंत शर्मा एक दिन पहले शाम को किसी काम का कहकर घर से निकला था। जब परिजनों के करने पर दुष्यंत ने थोडी देर बाद आने का कहा और बाद में उसका फोन बंद हो गया। तीन मई को सुबह दुष्यंत के मोबाइल से एक महिला ने फोन कर उससे दस लाख रुपए की फिरौती मांगी।

इसके बाद उसने बैंक जाकर तीन लाख रुपए जमा कराए। रिपोर्ट पर कार्रवाई के दौरान पुलिस को दुष्यंत की हत्या होने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। पुलिस जांच में पता चला कि प्रिया सेठ अनैतिक कार्यों में लिप्त थी और उसने टिंडर ऐप पर दुष्यंत को अमीर आदमी समझकर फंसाया था। प्रिया और दुष्यंत के बीच कई दिनों से संबंध थे। प्रिया ने दुष्यंत को 2 मई को अपने फ्लैट पर बुलाया और तीनों अभियुक्तों ने मिलकर उसे बंधक बना लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना संख्या 125 to 128-23-24
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 15.12.2023 को 15.00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है:- निविदा संख्या: 125 कार्य का नाम व स्थान: सूरतगढ़-अनूपगढ़ खण्ड पर ब्रिज नं. 02, 25 व 72 पर एच-बीम स्लीपर एवं चेकरड प्लेट को बदलना। अनुमानित लागत मूल्य:Rs. 11694498.55 धरोहर राशि:Rs. 208500.00 निविदा संख्या: 126 कार्य का नाम व स्थान: सहायक मण्डल इंजीनियर, सूरतगढ़ के अधीन सीएमएस क्रॉसिंग, टंग रेल, कप वेल्ड इत्यादि के रिकण्डीशनिंग का कार्य। अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 4988516.45 धरोहर राशि: Rs. 99800.00 निविदा संख्या: 127 कार्य का नाम व स्थान: सहायक मण्डल इंजीनियर/लाईन, बीकानेर के अधीन बीकानेर स्थित पुरानी वाशिंग लाईन के ट्रेक, क्षतिग्रस्त आरसीसी बीम, कॉलम, केटवॉक की मरम्मत करना एवं अन्य विविध कार्य करना। अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 5616804.00 धरोहर राशि: Rs. 112300.00 निविदा संख्या: 128 कार्य का नाम व स्थान: सहायक मण्डल इंजीनियर, उ.प.रेलवे, रतनगढ़ के अधीन रतनगढ़ उप मंडल पर विभिन्न लोकेशनो पर पीने के पानी की आपूर्ति करना (2 वर्ष के लिए)। अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 3155210.10 धरोहर राशि: Rs. 63100.00 नोट:- अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 1204-AC/23
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

बूथ पर पहुंचे मतदान दल, मतदान आज, 50 प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर होगी वेबकास्टिंग

चूरू, (कासं)। विधानसभा आम चुनाव-2023 को लेकर जिले में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शुक्रवार को जिले के सभी विधानसभा मुख्यालयों पर अंतिम प्रशिक्षण के बाद रवाना हुए मतदान दल अपने-अपने बूथ पर पहुंचे और तैयारियां सुनिश्चित कीं। शनिवार सवेरे 7 बज से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि जिले के कुल 1568 मतदान केन्द्रों के लिए 6272 एक्टिव तथा 628 रिजर्व मतदान दल कार्मिक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सादुलपुर में 253 बूथों के लिए 1012 एक्टिव व 100 रिजर्व मतदान कर्मी, तारानगर के 260 बूथों के लिए 1040 एक्टिव व 104 रिजर्व मतदान कर्मी, सरदारशहर के 299 बूथों के लिए 1196 एक्टिव व 120 रिजर्व मतदान कर्मी, चूरू के 238 बूथों के लिए 952 एक्टिव व 96 रिजर्व मतदान कर्मी, रतनगढ़ के 250 बूथों के लिए 1000 एक्टिव व 100 रिजर्व मतदान कर्मी तथा सुजानगढ़ के 268 बूथों के लिए 1072 एक्टिव व 108 रिजर्व मतदान कर्मी नियुक्त किए गए हैं। इनके साथ प्रत्येक मतदान केन्द्र एक पुलिसकर्मी भी नियुक्त किया गया है। चिन्हित मतदान केन्द्रों पर माइक्रोऑब्जर्वर व वीडियोग्राफर तथा क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर सीएपीएफ जवान तैनात किए गए हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में आठ-आठ महिला कार्मिक प्रबंधित, आठ-आठ युवा कार्मिक प्रबंधित, एक-एक दिव्यांग प्रबंधित तथा एक-एक आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। शुक्रवार को हुए मतदान दलों के अंतिम प्रशिक्षण अंतर्गत शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक अश्विनी यादव एवं जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश व शुभकामनाएं दी। पर्यवेक्षक यादव ने कहा कि सभी कार्मिक सजग, सतर्क एवं सक्रिय रहकर मतदान केन्द्र पर सभी

■ विधानसभा आम चुनाव -2023 को लेकर जिले में सभी तैयारियां पूर्ण

आवश्यक प्रक्रियाएं समयानुसार संपादित करें तथा किसी भी प्रकार का परेशानी होने पर धैर्य रखकर निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए प्रबंधन करें। मतदान दल कार्मिक अपने पूर्व अनुभवों एवं आपसी सामंजस्य से समस्याओं का समाधान करें। सभी कार्मिकों को समुचित प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जानकारी का लाभ उठाते हुए समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने माइक्रो ऑब्जर्वर को निर्देश देते हुए कहा कि लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखते हुए परिस्थितियों को मैनेज करने के लिए करेक्ट स्टेप्स उठाएं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर माइक्रो ऑब्जर्वर सीधे पर्यवेक्षक को रिपोर्ट करेंगे। इनके लिए व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप में बूथ संख्या, लोकेशन एवं विवरण सहित जानकारी साझा करें ताकि समयबद्ध निस्तारण हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सिहाग ने मतदान दल कार्मिकों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के 50 प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग हो रही है।

सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है तथा बूथ पूरे समय कैमरे की निगरानी में रहेंगे। इसलिए किसी भी प्रकार की असावधानी न बरतें। उन्होंने कहा कि मॉक पोल की प्रक्रिया में सूक्ष्म परिवर्तनों को जांच लें तथा सम्पूर्ण प्रक्रिया के लिए बनाए गए पॉडकास्ट शेयर किए गए हैं, जिसे मतदान दल यात्रा के दौरान भली-भांति समझ लें ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो। मॉक पोल एवं सीआरसी निर्धारित प्रक्रिया में संपन्न हो, गलती की कोई गुंजाइश न छोड़ें। किसी भी प्रकार से मशीन में तकनीकी खराबी होने से मशीनों को रिप्लेस करने की निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाए। समय के बेहतर प्रबंधन से सभी गतिविधियां सही तरीके से संपादित की जा सकती हैं। सिहाग ने कहा कि ईवीएम को ले जाते समय ध्यान रखें कि कोई अनाधिकृत परिधि में न आए। मशीनों को अकेले न छोड़े तथा अनधिकृत व्यक्ति साथ न रहे। चैलेंज वोट संबंधी किसी परेशानी के लिए पीठासीन अधिकारी को नियमों का ध्यान रहे। नियमों के बारे में पीठासीन अधिकारी को किसी भी प्रकार का असमंजस न रहे। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं राजकीय लोहिया महाविद्यालय प्राचार्य डॉ जेबी खान ने मतदान दल कार्मिकों को आवश्यक जानकारी साझा की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत, चूरू रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार, लाइजनिंग अधिकारी डॉ मंगल जाखड़, पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ के ओमप्रकाश फगेड़िया, एपीआरओ मनीष कुमार, रतननगर ईओ सत्यनारायण स्वामी, सीडीईओ जगबीर सिंह यादव, चूरू सीबीईओ ओमदत्त सहारण, इंजीनियर माधव, उदय, नरेन्द्र सिंह राठौड़, नायब तहसीलदार सुरेन्द्रपाल, चुन्नीलाल, ताराचंद, निजी सहायक सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस के बागियों की वजह से प्रत्याशियों की जीत में रोड़ा ?

बीकानेर, (कासं)। अब जब कि 25 नवम्बर को मतदान होना है। ऐसे में सभी दलों व प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। किंतु इस बार बीकानेर की सभी सातों सीटों पर चुनाव की राहें आसान नजर नहीं आ रही है। जहां एक ओर मौजूदा विधायकों को अपनी विधायकी बचाने और विपक्ष को विधायकी छीनने में खाणी ताण आ रही है।

बीकानेर पश्चिम से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बी. डी. कल्ला, भाजपा प्रत्याशी जेठानन्द के साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। बता दें कि डॉ. कल्ला कांग्रेस सरकार में मंत्री पद पर रहे हैं। इस सीट पर पुष्करणा समाज के वोटों का दबदबा है तथा कांग्रेस व भाजपा के दोनों ही प्रत्याशी इसी समाज से आते हैं। मौजूदा विधायक होने के कारण डॉ. कल्ला से क्षेत्र के लोगों की शिकायतें भी है तो उधर बागी भी खेल बिगाड़ने में लगे है। रही-सही कसर पिछले दिनों पीएम मोदी ने रोड शो करके पूरी कर दी है। ऐसे में ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। बरहाल विधायकी बचाने व छीनने में दोनों ही प्रत्याशियों को एडी चोटी का जोर लगाना

■ बागी तो खेल बिगाड़ने में लगे ही हैं, रही-सही कसर पिछले दिनों पीएम मोदी ने रोड शो पूरी कर दी

पड़ रहा है। बीकानेर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी सिद्धि कुमारी के सामने इस बार कांग्रेस ने अपना वायदा पूरा करते हुए यशपाल गहलोत को चुनाव मैदान में उतारा है। बता दें कि सिद्धि कुमारी बीकानेर पूर्व राजघराने से है तथा लगातार तीन बार विधायक रही है। ऐसे में गहलोत सिद्धि कुमारी को कितनी टक्कर दे पाते हैं। यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। बरहाल पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे कन्हैयालाल झंवर ने सिद्धि कुमारी को टक्कर दी थी।

श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी भंवर सिंह भाटी, भाजपा प्रत्याशी अंशुमान सिंह भाटी, आरएलपी प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस के बागी पूर्व विधायक रेवंतराम पंवार के साथ कई अन्य निर्दलीय प्रत्याशी इस बार पूरा खेल बिगाड़ने में लगे है। इस बार भाटी व केन्द्रीय मंत्री मेघवाल के बीच रही अदावत भी समाप्त हो गई तथा मेघवाल व उसका परिवार अंशुमान के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहा है। रही सही कसर कांग्रेस के बागी प्रत्याशी पंवार पूरी कर रहे हैं। बता दें कि श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक राजपूत व मेघवाल समाज के वोटर है। ऐसे में कितने क्या वोट टूटकर किस खेमे में जाएंगे। यह तो आने वाला भविष्य ही बता पाएंगा। हाल फिलहाल इस चुनाव में मौजूदा सरकार के मंत्री रहे भाटी की साखा दाव पर लगी हुई है। नोखा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बिहारी लाल विश्नोई के सामने इस बार रामेश्वर डूडी के अस्वस्थ होने के कारण उनकी पत्नी सुशीला डूडी को चुनाव मैदान में उतारा है। नोखा में जाट व विश्नोई समाज के वोटों का दबदबा है। वहीं निर्दलीय के रूप में पिछली बार कांग्रेस के प्रत्याशी रहे कन्हैयालाल झंवर चुनाव मैदान में है। इस बार नोखा में मतदान का गणित कितना क्या बनता व बिगड़ता है। हार व जीत का फैसला इसी पर रहने वाला है। बता दें कि कल नोखा में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी सभा कर चुके है।

अश्लील वीडियो किया वायरल

बीकानेर, (कासं)। अब तक पुरष व युवक पर ही अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप लगते आ रहे है, किंतु एक मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने दूसरी महिला की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील वीडियो वायरल कर दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित महिला का पति इन दिनों एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत जेल में है तथा आरोपी महिला उसके पति के साथ कुछ समय से रिलेशनशिप में रह रही है। ऐसे में दोनों के बीच पहले से ही विवाद चल रहा है। इस आशय की रिपोर्ट श्रीगंगानगर जिले के लालगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के गांव कीकरचक में रहने वाली पीड़िता ने पंजाब में रहने वाली एक महिला के खिलाफ थाने में दी है। रिपोर्ट में उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप लगाया है। आरोपी महिला पंजाब के मलोट की रहने वाली है। दोनों के बीच जान पहचान है। आरोप है कि पांच दिन पहले उसे इंस्टाग्राम पर उसकी फेक आईडी मिली। आईडी की जांच करने पर उस पर अश्लील वीडियो पाया गया।

जिला कलेक्टर ने नीमकाथाना जिले के मतदाताओं से मतदान करने की अपील की

पाटन, (निसं)। जिला कलक्टर श्रुति भारद्वाज ने नीमकाथाना वासियों से 25 नवम्बर, शनिवार को हो रहे चुनाव में अनिवार्य रूप से मतदान का फर्ज निभाने की अपील की है। उन्होंने नीमकाथाना जिलेवासियों से अपील में कहा कि भारत सम्पूर्ण विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हमारे लोकतंत्र का मूलाधार है। उन्होंने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि 25 तारीख प्रातः 7 बजे से सांय 6 बजे के बीच अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में मतदान अनिवार्य रूप से करें। जिला कलक्टर ने कहा है कि वोटर अपने संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुंच कर अपनी पहचान का दस्तावेज दिखाकर अपना वोट डाल सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता वोटर आईडी कार्ड (इपिक कार्ड) के अतिरिक्त भी चुनाव आयोग द्वारा मान्य किए गए 12 प्रकार के दस्तावेजों को दिखाकर भी मतदान कर सकते है ।

इनमें 12 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज दिखाकर किया जा सकता है मतदान:- आधार कार्ड, फोटोयुक्त पासबुक (बैंक या पोस्ट ऑफिस), पासपोर्ट, पैन कार्ड,ड्राइविंग लाइसेंस,लेबर कार्ड,सेवा पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड,स्वास्थ्य बीमा कार्ड, पेंशन दस्तावेज, एमपी, एमएलए, एमएलसी द्वारा जारी आईडी कार्ड, एनपीआर-आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड

लगातार 11 घंटे होगा मतदान:- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव 2023 के तहत 25 नवम्बर 2023 शनिवार को जिले की 4 विधानसभाओं में मतदान प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक किया जा सकेगा। इस प्रकार लगातार 11 घंटे मतदान का समय रहेगा।

मतदान के दिन रहेगा संवेतन अवकाश:- जिला कलक्टर श्रुति भारद्वाज ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, जो किसी राज्य की विधानसभा के लिये निर्वाचन में मतदान करने का हकदार है, मतदान के दिन अवकाश मंजूर किया जायेगा। भारत सरकार के संशोधन अधिनियम संख्या 21/96 द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में धारा 135 ख स्थापित कर मतदान के दिन कर्मचारियों को संवेतन अवकाश की मंजूरी की व्यवस्था की है।

मतदानकर्मी पहुंचे मतदान स्थल:- 25 नवम्बर 2023 को होने वाले मतदान को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के मतदान दल अपने आवंटित मतदान स्थल पर पहुंच चुके हैं । जिला कलक्टर श्रुति भारद्वाज ने बताया कि सभी मतदान दलों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया गया है। सभी मतदान दल स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में मतदान का कार्य पूर्ण करवाने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्र में भी मतदान दलों के ठहरने तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

कार्यकर्ता अपना बूथ नहीं छोड़े

बीकानेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को मतदान होगा। बीकानेर पश्चिम से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बी.डी. कल्ला ने शुक्रवार को बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। डॉ. कल्ला ने बूथ कार्यकर्ताओं से कहा कि किसी भी अफवाह, सनसनी या खबर को सुनकर भी अपना बूथ छोडा नहीं है। यदि मतदान संबंधित कोई भी गड़बड़ी लगे तो पोलिंग ऑफिसर को तुरंत इसकी शिकायत करें। उन्होंने कहा कि सुबह मतदान शुरू होने से लेकर शाम समाप्त होने तक अपने बूथ पर ही रहे। अपने बूथ के समस्त वोटर की लिस्ट की 2-3 कॉपी अपने पास रखें और हर वोट के बाद अपनी लिस्ट मे अपडेट करें। अपना मोबाइल चार्जर, दवाईयां, पानी, बिस्किट इत्यादि साथ रखना ना भूले। कल्ला ने बूथ कार्यकर्ताओं से कहा कि सुबह 7 से 10 बजे तक अपने सभी रिश्तेदारों अपने पक्ष के वोटर की सर्वाधिक वोटिंग कराएं। कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए हुए डॉ.कल्ला ने कहा कि अपना मनोबल ऊंचा रखें सावधानी संयम और परिपक्वता का परिचय दें।

कांस्टेबल के हाथ से मोबाइल फोन छीन ले गए बदमाश

बीकानेर, (कासं)। अपराधियों में किसी प्रकार का डर या भय नहीं रह गया है। इसका अंदाजा इस बात से सहज ही लगाया जा सकता है कि कलेक्ट्रेट परिसर में एक पुलिस कांस्टेबल के हाथ से ही मोबाइल छीन बाइक पर बदमाश फरार हो गए।

इस आशय की रिपोर्ट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) के कार्यालय में कांस्टेबल के पद पर तैनात सर्वेश मीना ने सदर पुलिस थाने में अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ दी है। रिपोर्ट में बताया कि दोपहर तकरीबन सवा बारह बजे के आसपास पब्लिक के सामने वह मोबाइल पर बात कर रहा था। आरोप है कि बिना नम्बर की मोटर साइकिल पर सवार होकर पीछे से आये दो बदमाश उसके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इन दोनों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। बताया कि मोबाइल तकरीबन 25 हजार रूपये का था तथा उसने अपने मोबाइल के पीछे दो हजार रूपये डाल रखे थे। वे भी ले गए। दूसरी ओर मुक्ताप्रसाद थाना क्षेत्र में लालगढ़ रेलवे हॉस्पिटल के पास एक राहगीर से बाइक सवार अज्ञात लुटेरों ने मोबाइल फोन लूट लिया।

इस संबंध में पीड़ित ने तुरंत मुक्ता प्रसाद थाने जाकर लिखित रिपोर्ट दी, लेकिन मौजूद स्टाफ ने शिकायत लेने से इनकार कर दिया। खिखनिया पट्टा निवासी हिम्मत सिंह ने बताया कि वह किसी काम से बीकानेर आया हुआ था। रात करीब 8 बजे रेलवे हॉस्पिटल लालगढ़ के आगे से पैदल जा रहा था। इस दौरान किसी का फोन आने पर जेब से मोबाइल निकालकर बात करने लगा। इसी बीच पीछे से बाइक पर सवार होकर आये दो नकाबपोश युवकों ने झपट्टा मारकर मोबाइल फोन लूट लिया। दौड़ कर लुटेरों का पीछा किया, लेकिन वह रेलवे क्वार्टरों की तरफ बाइक दौड़ा कर ले गए।

इसके बाद मुक्ता प्रसाद पुलिस थाने जाकर शिकायत दर्ज करानी चाही, तो पुलिस कर्मियों ने ई मित्र पर जाकर शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा। पुलिस कर्मियों से आग्रह किया कि रात को ई मित्र बंद है फिर भी उन्होंने शिकायत नहीं ली।

मतदान दल की हौसला अफजाई की

बीकानेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने शुक्रवार को राजकीय डूंगर महाविद्यालय तथा राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय से रवाना हुए मतदान दल कर्मियों की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि मतदाता निष्पक्ष और भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके मद्देनजर मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रत्येक कर्मचारी निर्वाचन से नियमों की शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित करें। किसी प्रकार की परेशानी हो तो तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचन महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें प्रत्येक मतदाता पूर्ण उत्साह के साथ अपनी भागीदारी निभा सकें, इसके लिए जिले के 1640 मतदान केन्द्रों पर मतदान से जुड़ी सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया गया है। उन्होंने महिला और दिव्यांग मतदान कर्मियों से बातचीत की और उनकी हौसला अफजाई की।

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023

सारे काम छोड़ दो
सबसे पहले वोट दो

आज मतदान दिवस

शनिवार 25 नवम्बर 2023
सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक

अपील
आपका वोट कीमती है...

प्रिय मतदाता,

हम सोचते हैं कि हमारे एक वोट से क्या फर्क पड़ता है ? वैसे भी आज मुझे बहुत काम हैं।

लेकिन आपके एक वोट से फर्क पड़ता है !

आपके एक वोट से लोकतंत्र का फैसला प्रभावित हो सकता है। मतदान आपका अधिकार है और कर्तव्य भी ! ध्यान रहे, आज 25 नवंबर छुट्टी का दिन नहीं हैं, लोकतंत्र का महापर्व है ! आज 25 नवंबर को सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक अपना अमूल्य मत देना ना भूलें ! सशक्त एवं मजबूत लोकतंत्र के साथ शत-प्रतिशत मतदान के लिए हम सभी की सहभागिता आवश्यक है !

घर से निकलकर, प्रसन्न एवं निर्भीक होकर मतदान जरूर करें...

प्रवीण गुप्ता
मुख्य निर्वाचन अधिकारी
राजस्थान

वोटर आईडी कार्ड या इनमें से किसी एक फोटोयुक्त पहचान पत्र को दिखाकर मतदाता कर सकेंगे मतदान

आधार कार्ड	पैन कार्ड	ड्राईविंग लाइसेंस
पासपोर्ट	यूनिक डिसेबिलिटी कार्ड	मनरेगा जॉब कार्ड
स्वास्थ्य बीमा कार्ड	पैंशन दस्तावेज	सेवा पहचान पत्र
एनपीआर - आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड	फोटोयुक्त पासबुक बैंक/पोस्ट ऑफिस	एमपी/एमएलए/एमएलसी को जारी आईडी कार्ड

राजस्थान संवाद

Voter Helpline App

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान
www.ceorajasthan.nic.in

CEORAJASTHAN

सूर्य कुमार यादव को अगले छह महीने तक सिर्फ टी20 मैच ही खेलना चाहिये।
-आकाश चोपड़ा

भारतीय टीम के पूर्व सदस्य और कमेंटेटर, टी20 सीरीज के पहले मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्य कुमार यादव को राय देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सुमन शर्मा

रूस के (मॉस्को) में 17 से 19 नवंबर तक ग्रैपलिंग रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इसमें सुमन शर्मा ने सिल्वर मेडल जीता और 64 कैटेगरी में विश्व की दूसरे नंबर की पहलवान बनी और मेडल आने पर पूरे परिवार में उत्साह मनाया एक दूसरे को मिठाई खिलाकर और आतिशबाजी कर जशन मनाया। वहीं ग्रामीणों ने बेटी का घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। सुमन शर्मा, सुपुत्री रामनिवास शर्मा जयपुर के गांव फतेहपुर बेगस की रहने वाली है। और जैसा कि सुमन ने बताया है की इसी साल रोहतक में नेशनल का आयोजन किया गया था।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेंदें फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

विमेंस प्रीमियर लीग का ऑक्शन 9 दिस. को

▶▶ पिछली बार मंधना थी सबसे महंगी खिलाड़ी ▶▶ गुजरात के पास सबसे ज्यादा 5.95 करोड़ का पर्स

नई दिल्ली, 24 नवंबर। विमेंस प्रीमियर लीग का ऑक्शन 9 दिसंबर को मुंबई में होगा। इसकी सभी 5 टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट भी जारी कर दी है। (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने शुक्रवार, 24 नवंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। मार्च 2023 में टूर्नामेंट का पहला एडिशन खेला गया था। गुजरात जायंट्स ऑक्शन में सबसे ज्यादा पर्स (5.95 करोड़ रुपए) के साथ उतरेगा, जबकि मुंबई इंडियंस के पास पांच फ्रेंचाइजी के बीच सबसे छोटा पर्स (2.1 करोड़ रुपए) होगा। पहले सीजन के ऑक्शन में स्मृति मंधाना सबसे ज्यादा कमाई करने वाली खिलाड़ी बनी थीं। उन्हें 3.4 करोड़ रुपए में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम में शामिल किया था। उनके अलावा एशले गार्डनर, नेट साइवर-ब्रंट और बेथ मूनी शामिल थीं, जिन्हें सबसे ज्यादा बोली लगा कर टीम में शामिल किया गया था।

2024 सीजन के लिए पांच टीमों ने 21 विदेशी प्लेयर्स समेत कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। वहीं कुल 29 खिलाड़ियों को टीमों ने रिलीज किया है। इसमें से गुजरात जायंट्स ने सबसे ज्यादा (11) प्लेयर्स को रिलीज किया। गुजरात जायंट्स पिछले सीजन में आखिरी स्थान पर रहा था।

पहले सीजन में मुंबई इंडियंस विजयी रही और कई कड़े मुकाबलों के बाद खिताब अपने नाम किया। 26 मार्च को खेला गया फाइनल रोमांचक मुकाबला था, जहां मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर तीन गेंद रहते सात विकेट से जीत हासिल की। चैंपियन को मिले थे 6 करोड़ रुपये। फाइनल मुकाबला जीतने वाली मुंबई इंडियंस को विमेंस प्रीमियर लीग का टाइटल जीतने पर 6 करोड़ रुपए की प्राइज मनी इनाम में मिली। दूसरे नंबर पर रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ और एलिमिनेटर हार कर तीसरे नंबर पर रहने वाली यूपी वॉरियर्ज को एक करोड़ रुपए मिले। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स टीम को बगैर प्राइज मनी के संतोष करना पड़ा।

दिल्ली कैपिटल्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी: एलीस केप्सी (इंग्लैंड), अरुंधति रेड्डी (भारत), जेमिमा रोड्रिग्ज (भारत), जेस जोनासेन (भारत), लॉरा हैरिस, मारिजन कैप (साउथ अफ्रीका), मेग लेनिंग (ऑस्ट्रेलिया), मिन्नु मानी (भारत), पूनम यादव (भारत), शेफाली वर्मा (भारत), राधा यादव (भारत), शिखा पांडे (भारत), स्नेहा दीप्ति (भारत), तानिया भाटिया (भारत), तितास साधु (भारत)।

रिलीज किए गए खिलाड़ी : अपर्णा मंडल (भारत), जसिया अख्तर (भारत), तारा नॉरिस (अमेरिका)।

गुजरात जायंट्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), बेथ मूनी (ऑस्ट्रेलिया), दयालन हेमलता (भारत), हरलीन देओल (भारत), शबनम शकील (भारत), लॉरा वोल्वार्ट (साउथ अफ्रीका) स्नेह राणा (भारत), तनुजा कंवर (भारत)।

रिलीज किए गए खिलाड़ी : एनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया), अश्वनी कुमारी (भारत), जॉर्जिया वेयरहम (ऑस्ट्रेलिया), किम गर्थ (ऑस्ट्रेलिया), हर्ले गाला (भारत), मानसी जोशी (भारत), मोनिका पटेल (भारत), पारुनिका सिसोदिया (भारत), सबिनेनी मेघना (भारत), सोफिया डंकली (इंग्लैंड) और सुषमा वर्मा (भारत)।

आर. अश्विन ने किया अपने कप्तान का समर्थन

रोहित शर्मा को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 24 नवंबर। टीम इंडिया ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुरूवार को अपने कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप 2023 फाइनल में आक्रामक शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदलने के लिए रोहित की आलोचना की जा रही है। हालांकि, अश्विन का कहना है कि उनको जो टीम के लिए करना था, वो कर दिया था। वे सेमीफाइनल में भी यही काम करने में सफल हुए थे।

रोहित पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार लय में थे और भारत ने शीर्ष क्रम में उनके प्रदर्शन की बदौलत ही धमाकेदार शुरूआत की। उन्होंने 125 के शानदार स्ट्राइक रेट से 11 मैच में 597 रन बनाये। रोहित फाइनल में ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में जिस तरह आउट हुए, उसकी कुछ तबकों में आलोचना की जा रही है। उन्होंने 31 गेंद में 47 रन की पारी खेली, जिससे मजबूत नींव बनी, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हर कोई पीछे से कह रहा है कि अगर वह (रोहित) खेलते रहते तो 100 रन बना सकते थे, लेकिन यह उनकी इच्छाशक्ति थी कि टीम इस तरह का खेल दिखा सकी। रोहित शर्मा को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है, वह काफी शतक बना चुके हैं, लेकिन यह जज्बा है जो मायने रखता है। इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि पिछले रविवार को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाजी करने के फैसले से भी वह हैरान थे, लेकिन साथ ही पैट कमिंस और चयनकर्ता जॉर्ज बेली की अहमदाबाद की पिच बखूबी पढ़ने के लिए प्रशंसा की।

ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को कई मोर्चों पर पछाड़कर छठी बार विश्व कप जीता। अश्विन ने गुरूवार को अपने यूट्यूब वीडियो में कहा, ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में शानदार खेल दिखाया। मैं उनकी रणनीति देखकर हैरान रह गया। ऑस्ट्रेलिया के फैसले से मैं व्यक्तिगत रूप से हैरान हो गया।

लाबुशेन ने फाइनल की प्लानिंग का किया खुलासा

नई दिल्ली, 24 नवंबर। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल के दौरान पैट कमिंस ने जिस तरह की गेंदबाजी की, वैसी गेंदबाजी करते हुए उन्होंने कभी किसी को नहीं देखा। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में छह विकेट की जीत से रिकॉर्ड छठा खिताब अपने नाम किया था। कमिंस ने 10 ओवर में दो विकेट झटके, जिसमें उनका इकोनोमी रेट सर्वश्रेष्ठ रहा। उन्होंने विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के विकेट लिए जिससे भारतीय टीम 240 रन पर सिमट गई। लाबुशेन ने सेन रेडियो से कहा, मुझे लगता है कि गेंद से वो दिन निश्चित रूप से पैट का सर्वश्रेष्ठ दिन रहा। उन्होंने कहा, मैंने कभी भी ऐसे गेंदबाजी करते हुए किसी को नहीं देखा जैसे कमिंस ने की, उन्होंने सही समय पर सही गेंद फेंकी। मैंने ऐसा मध्य ओवर के गेंदबाज से कभी नहीं देखा, विशेषकर एक तेज गेंदबाज से। इसलिए काफी श्रेय उन्हें जाता है। लाबुशेन ने फाइनल में नाबाद अर्धशतक बनाया था। उन्होंने कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड की रणनीति बनाने की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम विश्लेषक ने योजना बनाकर भारत को दबाव में ला दिया। लाबुशेन ने कहा, रणनीतिक रूप से एंड्रयू मैकडोनाल्ड और हमारे विश्लेषक ने सबसे पहले टॉस का फैसला सही किया और इसके बाद विभिन्न परिस्थितियों में अच्छा करते हुए हमने भारतीय खिलाड़ियों के जल्दी विकेट झटके और फिर उनके गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। उन्होंने कहा, हमारी योजना 30 ओवर में उनके पांच विकेट झटकने की थी और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने ऐसा ही किया। गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें पैट ने अगुवाई की।

सेल और रायपुर ने सब जूनियर वर्ग के खेलों में जीत दर्ज की

कोविलपट्टी, 24 नवंबर। प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर और सब जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2023 के पांचवें दिन जोन बी में सेल हॉकी अकादमी और स्मार्ट हॉकी अकादमी, रायपुर ने सब जूनियर मुकाबलों में जीत दर्ज की जबकि जूनियर वर्ग में गेम्स एसडीटी हॉकी नीलगिरी हॉकी अकादमी और सेल हॉकी अकादमी ने अपने-अपने मैचों में जीत हासिल की। सब जूनियर वर्ग के पहले मैच में सेल हॉकी अकादमी ने कुड्डालोर हॉकी अकादमी पर 20-0 से जीत दर्ज की। कैथा बिशाल (4, 10, 44, 57) ने चार गोल किए, लाकड़ा संदीप (24, 35, 55), एक्का रंजन पॉल (30, 32, 52) और अरबाज खान (45, 49, 57) ने हैट्रिक बनाई। कुल्लू नेविल (2, 51), मिंज लेल्सन (13, 17) और सलिल किंडो (38, 42) ने ब्रेसिज़ बनाए और एक्का रोहित (50) ने सेल हॉकी अकादमी के लिए अंतिम क्वार्टर में गोल करके खुद को आसान जीत दिलाई। दिन के दूसरे सब जूनियर वर्ग के मैच में स्मार्ट हॉकी अकादमी ने तमिलनाडु हॉकी अकादमी को 9-0 से हराया। दिन के पहले जूनियर वर्ग के मैच में एसडीटी हॉकी नीलगिरी हॉकी अकादमी ने थिरुमालवलावन हॉकी अकादमी को 3-2 से हराया। इसके बाद जूनियर वर्ग के खेल में सेल हॉकी अकादमी ने कुड्डालोर हॉकी अकादमी को 13-0 से हराया।

लक्ष्मी की थिरूमालवलावन पर रोमांचक जीत, सेल ने तमिलनाडु को हराया

कोविलपट्टी, 24 नवंबर। सब जूनियर वर्ग में गुरुवार को खेले गये मैच लक्ष्मी अम्मल ने थिरुमालवलावन हॉकी अकादमी और सेल ने तमिलनाडु को हराया। आज यहां हुए मुकाबले की शुरुआत में दोनों टीमें गोल रहित समाप्त होने के बाद, कविशक्तिबोस 55वें मिनट में अंतिम क्वार्टर में एक फील्ड गोल करके लक्ष्मी अम्मल स्पोर्ट्स अकादमी को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से जीत दिला दी। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में सेल हॉकी अकादमी का विजयी अभियान जारी रखते हुए तमिलनाडु हॉकी अकादमी को हराया। सेल हॉकी अकादमी ने तमिलनाडु हॉकी अकादमी को 12-1 से हराया। संदीप लाकड़ा ने (दूसरे, छठें, 45वें) ने सेल हॉकी अकादमी को शुरुआती बढ़त दिलाई, जिसके बाद हस्ती आनंद ने नौवें, 31 वें, 42वें, सुदीप लाकड़ा ने 33 वें, 47वें, रोहित एक्का 53वें, लेल्सन मिंज ने 54 वें, अरबाज खान ने 55वें, और बिशाल कैथा ने 57वें मिनट में अपनी टीम के लिए गोल दिया। दूसरी ओर थंगागुरु टी 14 वें मिनट ने तमिलनाडु हॉकी अकादमी के लिए सांत्वना गोल किया।

पूर्व खेल पत्रकार अरुण सेन का निधन

कोलकाता, 24 नवंबर। कोलकाता के वरिष्ठ खेल पत्रकार अरुण सेनगुप्ता का गुरुवार रात निधन हो गया। वह करीब 65 वर्ष के थे। कलकत्ता स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट क्लब ने सेनगुप्ता के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। हुगली जिले के उत्तरपारा में एक निजी नर्सिंग होम में उन्होने अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी, बेटी और दामाद हैं। जर्नलिस्ट क्लब ने अपने एक बयान में कहा गहरे दुख और भारी मन के साथ क्लब आपको वरिष्ठ पत्रकार अरुण के आकस्मिक निधन की सूचना दे रहा है। वह क्लब के पूर्व कार्यकारी परिषद सदस्य थे। अपने 35 वर्ष से अधिक के करियर में, सेनगुप्ता ने आजकल और संगबाद प्रतिदिन जैसे प्रमुख मीडिया घराने के साथ काम किया।

मैंने कप्तानी का बोझ ड्रेसिंग रूम में छोड़ दिया : सूर्यकुमार

नई दिल्ली, 24 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने पहले मैच के बाद अपना अनुभव साझा किया है। पांच टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के बाद उन्होंने कहा, मैंने कप्तानी के बोझ को ड्रेसिंग रूम में छोड़ दिया। मैं अपनी बैटिंग को एन्जॉय करने की कोशिश करता हूं। माहौल शानदार था, फैंस का धन्यवाद। पहले मैच में टीम इंडिया की ओर से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 80 और ईशान किशन ने 58 रन की पारी खेलीं। आखिरी में रिंकू सिंह ने 14 बॉल पर 22 रन बनाए।

पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में सूर्या ने आगे कहा, लड़कों ने जिस तरह से अपना धैर्य बनाए रखा, वह देखने लायक था। यह स्थिति रिंकू सिंह के लिए तैयार की गई थी। वह शांत और सयमित था, उसने मुझे भी रिलैक्स किया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 2 विकेट से जीत लिया।

टीम ने 209 रन का टारगेट 20वें ओवर की आखिरी बॉल में 8 विकेट पर हासिल कर लिया। यह भारत का टी-20 में कंगारुओं के खिलाफ सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले, सबसे सफल रन चेज 202/4 रन का था, जो भारत ने 2013 में राजकोट में किया था। विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम की ओर से जोश इंग्लिस ने पहला शतक जमाया। उन्होंने 50 बॉल पर 110 रन की पारी खेली। स्टीव स्मिथ (58 रन) ने अर्धशतक जमाया।

सूर्यकुमार को अगले छह महीने तक बस टी-20 खेलना चाहिए : चोपड़ा

मुबंई, 24 नवंबर। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्य कुमार यादव के बारे में भारतीय टीम के पूर्व सदस्य और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा की राय है कि कुमार को अगले छह महीने तक सिर्फ टी20 मैच ही खेलना चाहिये।

भारत ने पहले टी20 आई में भारत को दो विकेट से जीत मिली जिसमें सूर्यकुमार ने 80 रन की पारी खेली। आकाश ने कहा, टी20आई में सूर्यकुमार यादव अलग तरह के खिलाड़ी लगते हैं। उनकी अप्रोच बिल्कुल अलग होती है। वह रूकने वालों में से नहीं लगते। ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि उनका डीएनए इसमें रंग गया है। उन्हें लगता है कि वह प्रारूप की ज़रूरतों को अच्छे से समझते हैं और परिस्थिति के हिसाब से प्लान बनाते हैं। यहां तक कि विरोधी टीम भी उनकी विस्फ़ोटकता से वाकिफ़ हैं और उनके लिए अलग तरह की फ़ील्ड लगाते हैं।

उन्होने कहा मेरे नजरिए में, यह जरूरी नहीं है कि तीनों ही प्रारूपों में खिलाड़ी हिस्सा हों। सूर्या टी20 क्रिकेटर बन सकते हैं। अगले छह महीनों के लिए उनको टी20 क्रिकेट पर छोड़ना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि तीनों प्रारूपों में उन्हें चाहने की वजह से हम एक टी20 रॉकस्टार खो दें।

आकाश ने मुकेश कुमार के अहम 20वें ओवर पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुकेश का आखिरी ओवर शानदार था। उन्होंने इस ओवर में केवल पांच ही रन दिए, जिसमें एक नो बॉल भी थी। लेकिन उनकी सटीक यॉर्कर ने बल्लेबाज़ों को बांधे रखा। अगर वह इस ओवर में 15 रन तक दे देते तो भारत को 220 रन चेज़ करने होते और यह और भी मुश्किल हो जाता।

वनडे विश्वकप में दर्शक संख्या ने बनाये कीर्तिमान

मुबंई, 24 नवंबर। आईसीसी और उसके प्रसारण साझेदार डिज्नी स्टार के अनुसार, भारत में 2023 पुरुष वनडे विश्व कप ने स्टेडियम में उपस्थिति और प्रसारण व्यूअरशिप की संख्या के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आईसीसी ने कहा कि भारत के मैदानों पर हुए 48 मैचों को सबसे अधिक 1,250,307 दर्शकों ने देखा जिससे ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में 2015 विश्व कप के 1,016,420 दर्शकों की संख्या का रिकॉर्ड टूट गया। डिज़्नी स्टार ने कहा कि टूर्नामेंट के छह हफ्तों में विश्व कप के लिए 51.8 करोड़ ट्ययूनिंग के साथ भारत में रैखिक टेलीविजन दर्शकों की संख्या आधे अरब से अधिक हो गई है। भारत में ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, टीवी पर कुल ख़पत 422 (अरब मिनट थी, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप बनाती है।

वाटिका ने अहबाब और रॉयल ने रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को हराया

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। प्लेयर ऑफ द मैच महिप अधिकारी की तिकड़ी की मदद से वाटिका एफसी ने अहबाब एफसी को 7-0 से रौंद कर दूसरी डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वहीं शुक्रवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए दिन के दूसरे मैच में रॉयल रेंजर्स ने रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को शिखर की तिकड़ी से 5-1 से पीटा। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन पाला बदलने के बाद रॉयल रेंजर्स ने अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन किया और प्रतिद्वंद्वी टीम पर पूरी तरह पकड़ बना ली। केएस शिखर ने दर्शनीय तिकड़ी जमाई तो थंगमीलीन हाओकीप और आशीष राय ने एक एक गोल बांटे। लेकिन बराबरी की टक्कर के बाद शिखर की तिकड़ी ने रेंजर्स की कमर तोड़ कर रख दी। एक बार बढ़त बनाने के बाद रॉयल रेंजर्स ने रेंजर्स एससी को पूरी तरह रक्षात्मक खेल के लिए मजबूर किया और बेहतर तालमेल से खेलते हुए गोल दागे। पराजित टीम का इकलौता गोल चिनाखो के नाम रहा। पहली लीग के विजेता वाटिका के सामने अहबाब टिक नहीं पाई। विजेता के लिए जाने माने स्ट्राइकर महिप अधिकारी ने तिकड़ी बनाई। प्रांजय सिंह, पियूष भंडारी, नितेश शर्मा और निखिल गहलोत ने एक एक गोल बांटे। आगामी 25 नवंबर को सुदेवा और फ्रेंड्स यूनाइटेड के बीच एकमात्र मैच खेला जाएगा।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टोंग कैरेबियाई दौरे से बाहर

लंदन, 24 नवंबर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टोंगू चोट के कारण इंग्लैंड के वेस्टइंडीज दौरे से बाहर हो गये हैं और उनकी जगह वनडे सीरीज के लिए अनुभवहीन दाएं हाथ के मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है।

संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड लायंस के साथ प्रशिक्षण शिविर में टोंग को चोट लगी थी। इंग्लैंड वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। पॉट्स ने आखिरी बार तीन वनडे मैच खेले थे और सबसे हालिया मैच आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से ठीक पहले ब्रिस्टल में आयरलैंड के खिलाफ था।

टोंग ने पहले ही दो टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन अभी तक इंग्लैंड के लिए सफेद गेंद वाले क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। हाल ही में समाप्त हुए एकदिवसीय विश्व कप टूर्नामेंट में अपने देश की शर्मनाक हार के बाद वह इस दौरे के लिये काफी उत्सुक थे। .इंग्लैंड टीम इस प्रकार है।

एकदिवसीय टीमः जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, ओली पोप, फिल साल्ट, मैथ्यू पॉट्स, जॉन टर्नर

टी20 टीमः जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, मोईन अली, गस एटकिंसन, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टंग, रीस टॉपले, जॉन टर्नर , क्रिस वोक्स

ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने आसान जीत दर्ज की

कोविलपट्टी, 24 नवंबर। ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर और हुबली हॉकी अकादमी ने अपने-अपने जूनियर वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज की। दिन के पहले जूनियर वर्ग के मुकाबले में ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी को 6-0 से हराया। विजेता टीम की ओर से रोहित सिंह इरेंगबाम ने पांचवें, 38वें मिनट में, जबकि विल्सन ज़ाक्सा ने 17 वें, सुरेश शर्मा अधिकारीमयुम ने 30 वें, अभिषेक टोपनो ने 41 वें, और सतीश मुंडा ने 42वें मिनट गोल किए। अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी टीम का कोई भी खिलाड़ी गोल नहीं कर सका। वहीं दिन के दूसरे जूनियर वर्ग मुकाबले में हुबली हॉकी अकादमी ने तमिलनाडु हॉकी अकादमी को 15-1 से हराया। राजू मनोज गायकवाड़ ने दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल तब्दली कर हुबली हॉकी अकादमी के लिए गोल की शुरुआत की।

कमिंस के जादू ने भारत को विश्वकप से दूर किया : अश्विन

मुंबई, 24 नवंबर। भारत का विश्वकप जीतने का सपना टूट गया है और इसके लिये भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को जिम्मेदार मानते हैं। अपने नवीनतम यूट्यूब वीडियो 'विश्व कप 2023: ए रिफ्लेक्शन' में अश्विन ने फाइनल मुकाबले में पैट कमिंस की प्रतिभा का विश्लेषण किया और उनके जादू को 'गेम-ब्रेकिंग' घटना के रूप में संदर्भित किया।

टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा। यह निर्णय एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कमिंस ने अपने कोटे के पूरे 10 ओवर फेंके और सिर्फ 34 रन दिए। उन्होंने श्रेयस अय्यर (4) और इन-फॉर्म विराट कोहली (54) के दो बड़े विकेट भी लिए। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने 10 ओवर पूरे करने वाले सभी गेंदबाजों में कमिंस ने 3.40 के स्ट्राइक रेट पर सबसे किफायती स्पैल फेंका जिसके बाद एडम ज़म्पा (4.40), मिशेल स्टार्क (5.50) और जोश हेज़लवुड (6.00) थे।

अश्विन ने कहा, एकदिवसीय गेंदबाज के रूप में पैट कमिंस विश्व कप में काफी समय से संघर्ष कर रहे थे लेकिन फाइनल तक पहुंचने वाले पिछले 4-5 मैचों में उनकी करीब 50 फीसदी गेंदें कटर थीं। फाइनल में, मुझे नहीं पता कि कितने लोगों ने टीवी पर इसे समझा मगर एक ऑफ स्पिनर की तरह उन्होने गेंदबाजी के दौरान ऑफ साइड पर चार और लेग साइड पर पांच क्षेत्ररक्षक रखे और अपने पूरे 10 ओवर बिना मिड-ऑफ के फेंके।

विश्वकप के दौरान किया गया अभ्यास काम आया : इशान

विशाखापत्तनम, 24 नवंबर। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मुकाबले में कप्तान सूर्य कुमार यादव के साथ शतकीय साझीदारी निभाने वाले इशान किशन ने कहा कि विश्वकप के दौरान नेट पर कड़े अभ्यास का नतीजा है कि वह अपने बल्लेबाजी को निखार सके जो आखिरकार कड़े प्रतिद्वंदी के खिलाफ जीत में मददगार साबित हुआ।

भारत ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टी20 श्रखंला के पहले मैच में दो विकेट से हरा दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इशान ने कहा यह सच है कि मुझे शुरुआती मैचों के बाद विश्व कप में अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला मगर इस दौरान मैने नेट में कड़ा अभ्यास किया और बल्लेबाजी में की जा रही गल्तियों में सुधार किया। इसका नतीजा है कि आज मै अपने कप्तान के साथ बड़ी साझीदारी बनाने में सफल रहा।

वैवाहिक बंधन में बंधी एथलीट सुधा सिंह

रायबरेली, 24 नवंबर। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता एवं पद्मश्री से सम्मानित एथलीट सुधा सिंह गुरुवार को वैवाहिक बंधन में बंध गयीं। 25 जून, 1986 को रायबरेली में जन्मी सुधा सिंह का विवाह लखनऊ के होटल क्लर्क अवध में हुआ। वह रायबरेली आधुनिक रेल डिब्बा कारखाने में यह ओएसडी स्पोर्ट्स के पद पर कार्यरत है। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सुधा सिंह ने अपनी प्रतिभा के बल से खेल की दुनियां में ऊंचा मुकाम हासिल किया है। एथलेटिक्स में कैरियर संवारने के लिए सुधा सिंह ने वर्ष 2003 में स्पोर्टस हास्टल लखनऊ ज्वाइन किया और आगे कदम बढ़ाया। तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। पानी और बाधा को पार करके दौड़ पूरी करने वाले स्टीपल चेज जैसे खेल को खेलने वाली सुधा जीवन की दौड़ में भी किसी रुकावट को अपनी सफलता के आगे नहीं आने दिया। यही वजह है कि 13 साल की मेहनत के बाद उसे पहले कामन वेल्थ गेम्स में मौका मिला, फिर एशियन गेम्स में भागीदारी की। एशियन गेम्स ने तो उसकी किस्मत ही बदल दी।

खेलों इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा का दल होगा सबसे बड़ा

नई दिल्ली, 24 नवंबर। पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा 242 पैरा एथलीटों का सबसे बड़ा दल मैदान में उतारेगा जबकि राजस्थान के 140 और उत्तर प्रदेश के 125 पैरा एथलीट टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे। इस बीच भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने शुक्रवार को पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स की मेजबानी के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय की पहल की सराहना की। पीसीआई की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा मैं बहुत रोमांचित और अभिभूत हूं कि पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स इस दिसंबर में नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। यह पहल एक समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है। मलिक शॉट पुट में पैरालिंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के पहले संस्करण में 1350 से अधिक पैरा एथलीट दिसंबर में राजधानी में उतरेंगे। हरियाणा अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले 242 पैरा एथलीटों के साथ सबसे बड़ा दल देखेगा, जबकि राजस्थान 140 पैरा एथलीटों का एक मजबूत दल भेजेगा और उत्तर प्रदेश 125 का दल भेजेगा। गुजरात में 100 पैरा एथलीट सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि मेजबान शहर दिल्ली के 97 एथलीट जोर आजमाइश करेंगे। दिलचस्प है कि महिला वर्ग में 442 एथलीट मैदान में उतरेंगे जबकि 885 पुरुष पैरा एथलेटिक्स, पैरा शूटिंग, पैरा तीरंदाजी, पैरा फुटबॉल, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस और पैरा वेट लिफ्टिंग में भाग लेंगे। हाल के हांगझाउ एशियाई पैरा गेम्स के सितारे शीतल देवी, भावना पटेल, एकता भ्याण, नीरज यादव, सिंहराज, मनीष, सोनल, राकेश कुमार, सरिता समेत अन्य के खेलो इंडिया पैरा गेम्स के पहले संस्करण में अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद है।

जयपुर संभाग की 50 सीटों पर कांटे की टक्कर में फंसी है कांग्रेस

कहा जा रहा है कि, कांग्रेस 2018 जैसी सफलता नहीं दोहरा पाएगी

- जयपुर जिले में वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 19 में से दस सीटें जीती थीं पर इस बार सिर्फ 5 सीटों पर कांग्रेस की स्थिति कुछ ठीक है, शेष पर बहुत कड़ा मुकाबला है और भाजपा भारी पड़ती दिख रही है।
- दौसा जिले में 5 सीटों में चार पर कांग्रेस की हालत खराब है, सिर्फ दौसा शहर में ही हालत कुछ ठीक दिख रही है।
- जयपुर संभाग में झुंझुनूं व सीकर में 2018 में कांग्रेस ने एक तरफा जीत हासिल की थी पर इस बार मुकाबला बराबरी का है।
- अलवर जिले में बागियों के कारण चुनाव नतीजे प्रभावित होते दिख रहे हैं।

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। जयपुर संभाग झुंझुनू , सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर शहर ,दौसा और अलवर में कुल मिलाकर करीब 50 विधानसभा सीट हैं, जिनमें 2018 में कांग्रेस को भारी सफलता मिली थी। कांग्रेस को यहां 2013 के मुकाबले करीबन 20 सीटों का फायदा हुआ था, और पार्टी ने 31 सीटें जीती थी। वहीं आठ सीटों पर बसपा और निर्दलीय जीते थे और वे भी सरकार के साथ आए थे।

सवाल यह है कि क्या इस बार भी मतदाताओं का मूड वैसा ही है, इन क्षेत्रों में लोगों से चर्चा करने के बाद जो तस्वीर उभर रही है, उससे एक बात तो स्पष्ट है कि कांग्रेस इस बार जयपुर संभाग में वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। जैसा 2018 में किया था। वहीं कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। कुछ सीटों पर तीसरे उम्मीदवार को मिले वोट भारी उलटफेर कर सकते हैं। यहां तीसरा उम्मीदवार समीकरणों में बदलाव कर सकता है, इसलिए कुछ सीटों पर तीसरे उम्मीदवार को मिलने वाले जीत तय करेंगे।

2018 में झुंझुनू में दो सीट भाजपा, एक बसपा के खाते में गई थी। बाकी 4 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार माहौल बदला हुआ है, यहां 5 सीटों खेतड़ी, उदयपुरवाटी, पिलानी, मंडावा और नवलगढ़ में भाजपा मजबूत नजर आ रही है, वही दो सीटों झुंझुनू और सूरजगढ़ में कांग्रेस आगे है। वर्ष 2018 में सीकर जिले की सभी आठों सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया था, लेकिन इस बार बराबरी का मुकाबला नज़र आ रहा है। इस बार सीकर जिले की सीकर दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस मजबूत दिख रही है, वही लक्ष्मणगढ़ ,नीम का थाना और फतेहपुर में मुकाबला कांटे का है तथा खंडेला, श्रीमाधोपुर और धोद में भाजपा मजबूत नजर आ रही है।

जयपुर जिले में 19 सीटें हैं। गत चुनाव में कांग्रेस ने 10 सीटें प्राप्त की थी और तीन सीटों पर निर्दलीय जीत कर आए थे भाजपा के खाते में कुल 6 सीटें आई थीं। इस बार जयपुर ग्रामीण की फुलेरा, आमेर और शाहपुरा सीट पर तथा जयपुर शहर की हवा महल और किशनपोल सीट पर कांग्रेस मजबूत नजर आ रही है। वही जयपुर ग्रामीण की चोमू, कोटपूतली, विराटनगर और दूदू सीट पर कड़ा मुकाबला है। चौमू सीट पर तो आरएलपी उम्मीदवार को मिलने वाले वोट ही हार जीत तय करेंगे। जयपुर शहर की आठ में से तीन सीटों सांगानेर,विद्याधर नगर और बगरू में भाजपा की मजबूत स्थिति दिख रही है। मालवीय नगर, सिविल लाइंस और आदर्श नगर में मुकाबला काफी कड़ा नजर आ है।

दौसा जिले में 2018 में कांग्रेस ने 4 सीटें जीती थीं। एक सीट निर्दलीय के हिस्से में आई थी। इस बार मुकाबला बिल्कुल अलग होता दिख रहा है और दौसा शहर में जहां कांग्रेस मजबूत नज़र आ रही है, वही बाकी चार सीटों बांदीकुई ,महुआ, सिकराय और लालसोट में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए स्थितियां सहज नहीं लग रही हैं। अलवर जिले में इस बार भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच में कई जगह तीसरा उम्मीदवार समीकरणों में बदलाव करता दिख रहा है।

रामगढ़ और मुंडावर के अलावा तिजारा में कांग्रेस की स्थिति ठीक है पर राजगढ़ लक्ष्मणगढ़, बहरोड और बानसूर में निर्दलीय उम्मीदवारों ने कांग्रेस के लिए परेशानी खड़ी कर दी है।

मतदान की पूर्व संध्या पर मतदाता ज्यादा मुखर नहीं है फिर भी कई जगहों पर घूमने के बाद जो तस्वीर सामने आई है उससे लगता है कि इस बार कांग्रेस वैसा प्रदर्शन करती नज़र नहीं आ रही है जैसा 2018 में किया था।

गाजा में इजराइल, हमास के बीच संघर्ष विराम शुरू

गाजा, 24 नवंबर। गाज़ा पट्टी में इज़रायल-हमास युद्ध में चार दिवसीय संघर्ष विराम प्रभावी हो गया है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ए.एफ.पी. ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट दी।

इज़रायल और हमास के बीच लगभग सात सप्ताह चले संघर्ष में पहली राहत की शुरुआत हो गई है। हमास की ओर से महिलाओं और बच्चों सहित 13 बंधकों के समूह को मुक्त करने और संकटग्रस्त गाजा पट्टी में सहायता के प्रवाह को बढ़ाने की उम्मीद है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघर्ष विराम सुबह सात बजे (अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार तड़के पांच बजे) शुरू होना था। युद्धविराम के हिस्से के रूप में कुछ फ़िलिस्तीनियों को बाद में इज़रायली जेलों से रिहा किया जाना है।

जानकारी के अनुसार, कतर की मध्यस्थता से शुक्रवार सुबह चार दिवसीय संघर्ष विराम के प्रभावी होने के बाद बड़ी संख्या में विस्थापित लोग गाज़ा में घर लौटने का प्रयास करने लगे जिस पर इजरायली सेना ने उन्हें उत्तरी गाज़ा की ओर जाने से रोका।

उत्तरी गाजा सीमा से बाहर ये विस्थापित फिलिस्तीनी युद्ध विराम की समय सीमा लागू होने के बाद अपने घरों में लौटने का प्रयास कर रहे थे। इज़राइली सेना ने लोगों को चेतावनी दी है कि, उन्हें युद्धग्रस्त क्षेत्र उत्तर गाज़ा में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

'अल जजीरा' न्यूज चैनल के वीडियो में फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा पट्टी में बेत लाहिया में अपने घरों में लौटते हुए दिखाया गया है। इज़रायली सेना ने लोगों को रोकने का प्रयास किया।

टोंक में सचिन पायलट ने घर-घर जाकर दस्तक दी

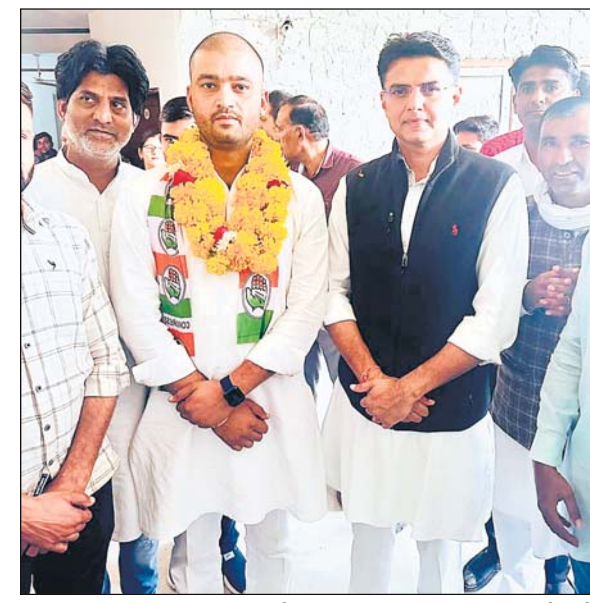

चुनाव प्रचार थमने के बाद टोंक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने घर-घर जाकर -सम्पर्क किया। इस दौरान वैश्य समाज ने पायलट को अपना खुला समर्थन दिया।

- इस अभियान में वैश्य समाज ने पायलट को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।
- रैगर समाज, मुस्लिम समाज सेवियों के समूह ने पायलट के प्रति समर्थन जताया।

टोंक, 24 नवम्बर (निस)। टोंक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने चुनाव प्रचार थमने के बाद घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और कांग्रेस को विजय बनाने के लिए सभी लोगों से अपील की ।

पायलट ने कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ रहा यह चुनाव टोंक की जनता लड़ रही है । कांग्रेस सरकार 7 गारंटी योजनाओं के साथ प्रदेश में फिर से रिपीट हो रही है। कल देर शाम रैगर समाज के सैंकड़ों लोगों ने उपसभापति बजरंगलाल वर्मा, भूपेंद्र आलोरिया, धर्मेंद्र सालोदिया के नेतृत्व में सचिन पायलट के प्रति समर्थन की घोषणा की ओर अल्पसंख्यक समाज के समाजसेवियों ने आबिद कागजी के नेतृत्व में भी बड़ी संख्या में पायलट से मिलकर जीत का भरोसा दिया।

आज सुबह राजेंद्र गोयल के नेतृत्व में वैश्य समाज के सैंकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों ने सचिन पायलट से मिलकर खुला समर्थन देने की घोषणा की और जीत का संकल्प लिया । सचिन पायलट ने आज कोर्ट परिसर में वकीलों से भी मुलाकात की तथा अपने लिए समर्थन मांगा और कहा चुनावी वादों को पूरा करने में टोंक शहर में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी । इसी प्रकार आज दोपहर जिला कांग्रेस कमेटी में भाजपा कार्यकर्ता जमना महावर एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सतवीर गुर्जर ने भी भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने सचिन पायलट और जिला अध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा के समक्ष कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली और पायलट के पक्ष में भारी मतों से विजय संकल्प लिया । इस मौके पर कांग्रेस नेता सुनील बंसल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शैलेश गुर्जर, हंसराज गाता, आतिफ नकवी, देवनारायण गुर्जर, अरशद, आमिर फारूकी आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार व बोलेरो की भीषण टक्कर

- भादासर गांव के पास हुए इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई व चार घायल हो गए।
- बताया जाता है कि, बोलेरो में सवार 6 लोग शादी में शामिल होकर लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ।
- घायलों का बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सरदारशहर, 24 नवम्बर (निसं)। तहसील के गांव भादासर के पास गुरुवार देर रात्रि को कार और बोलेरो की भीषण भिड़ंत में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार दुलरासर गांव के 6 लोग बारात में डूंगरगढ़ गए हुए थे। देर रात को बोलेरो में सवार होकर आते समय सामने से आ रही एक कार से जबरदस्त टक्कर हो गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 6 लोगों को 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीकानेर रैफर कर दिया गया। बीकानेर में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में से चार लोग दुलरासर गांव के हैं और एक यू.पी. का बताया जा रहा है। थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि, गांव दुलरासर के ललित पुत्र श्यामलाल पारीक की शादी थी। जिसकी बारात बीकानेर जिले की डूंगरगढ़ तहसील में गई हुई थी। वापस आते समय बीकानेर रोड पर भादासर के पास आमने -सामने कार व बोलोरो गाड़ी की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। मृतकों में दुलारासर गांव के मुरलीधर पारीक, पुत्र परसाराम पारीक, नोपाराम पारीक पुत्र मालाराम पारीक, मदनलाल पुत्र हरुराम पारीक, भोम सिंह पुत्र मेजरसिंह सहित यू.पी. का रहने वाला एक व्यक्ति शामिल है। दुलरासर गांव के मालाराम, पुत्र मोहनराम, श्रवण पुत्र दुलाराम और उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो अन्य घायलों का इलाज बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में जारी है। तीन मृतकों के शव सरदारशहर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए, जिन्हें पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। दो मृतकों के शव बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल की मोर्चरी में रखे हैं। जिनका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। हादसे के बाद दुलरासर गांव में शादी की खुशियां मातम बदल गईं। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को लेकर मोदी संवेदनशील

देहरादून/उत्तरकाशी, 24 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर भी बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टनल से बाहर आने पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और जरूरत पड़ने पर हॉस्पिटल या घर भेजने की व्यवस्था के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री मोदी रोजाना सिलक्यारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को फोन कर अपडेट ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी से बातचीत में शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है।

चीन से एक बार फिर वायरस संक्रमण फैलने का खतरा मंडराया

- हालांकि, भारत सरकार ने संक्रमण फैलने की संभावना नगण्य बताई और कहा कि, उसकी हर स्थिति से निपटने की तैयारी है।
- चीन से नवम्बर के मध्य में बच्चों में निमोनिया जैसा संक्रमण फैलने की खबरें सामने आई हैं।

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने माना है कि एच9 एन 2 वायरस के चीन से फैलने की संभावना "कम" है और देश किसी भी तरह की "सार्वजनिक अत्यावश्यकता" के लिए तैयार है।

चीन पिछले कुछ हफ्तों से श्वसन संबंधी एक अज्ञात बीमारी के बढ़ने की समस्या से जूझ रहा है। बीजींग और लिओनिंग प्रांत जैसे देश के उत्तरी भागों में बच्चों में इस बीमारी के केस विशेष तौर पर अधिक पाए गए हैं। स्थानीय खबरों के अनुसार संक्रमित बच्चों में फेफड़ों की सूजन के साथ ही तेज बुखार है। चीन के अधिकारियों ने गत 13 नवम्बर को कहा था कि श्वसन तंत्र की बीमारी में तेजी से वृद्धि होने का कारण लॉकडाउन की बंदिशों में कमी होना है तथा फेफड़ों को संक्रमित करने वाला माइकोप्लाज़्मा निमोनिया इसकी वजह से हो सकता है।

यद्यपि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस के प्रकोप के बाद चीन की सरकार से डेटा उपलब्ध करवाने को कहा है और साथ ही नागरिकों से यह अनुरोध किया है कि वे मास्क पहनने, सोशल डिस्टैंसिंग की पालना करने और अस्वस्थ महसूस करने की स्थिति में घर में ही रहने की जरुरी सावधानियां बरतें। ये उपाय तीन वर्ष तक मौजूद रही कोविड की वैश्विक महामारी की याद दिलाते हैं जिसमें पूरी दुनिया एक तरह से थम गई थी।

संयोगवश, इस नए प्रकोप की "प्रोमैड" ने भी चेतावनी जारी की है। प्रोमैड एक डिज़ीज़ सर्विलांस सिस्टम है जिसने वर्ष 2019 के अन्त में "वुहान" में फैले रहस्यमय संक्रमण के बारे में चेतावनी थी।

भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने नए वायरस के चीन से संभावित प्रकोप के मद्देनज़र तैयारियों पर चर्चा के लिए डायरैक्टर जनरल ऑफ हैल्थ सर्विसेस (डी.जी.एच.एस.) की अध्यक्षता में हाल ही एक मीटिंग आयोजित की। मीटिंग में इस बात पर जोर दिया गया कि मानव, पशुपालन और वानिकी सैक्टरों में सतर्कता बढ़ाने और समन्वय तंत्र को मजबूत करने की जरुरत है। मीटिंग में इस तथ्य पर भी गौर किया गया कि कोविड महामारी के बाद देश के हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय मजबूती आई है। वर्ष 2003 की सार्स महामारी और वर्ष 2019 की वैश्विक महामारी कोविड को हल्के में लेने के कारण चीन पहले ही आलोचनाएं झेल चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि चीन को बीमारी के इस प्रकोप पर एक "पारदर्शी तरीके" से नियंत्रित करना चाहिए।

ड्रिलिंग में बाधा आने से हल्का हुआ बचाव अभियान

सिलक्यारा/देहरादून, 24 नवंबर। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 कार्मिकें को बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन शुक्रवार शाम भी जारी रहा। इस संबंध में प्रबंध निदेशक महमूद अहमद ने बताया कि, ऑगर मशीन से 45 मीटर के बाद ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 1.8 तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई थी। इस प्रकार कुल 46.8 से आगे की ड्रिलिंग के बाद धातु के टुकड़े मशीन में फंसने से ड्रिलिंग रोक दी गई थी।

संजीवनी केस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत राजनीति करते हुए केवल जांच को भटकाने का काम कर रहे हैं। जब अशोक गहलोत ने शेखावत की मां समेत पूरे परिवार पर संजीवनी घोटाले में शामिल होने के आरोप लगाए तो शेखावत ने गहलोत के खिलाफ दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट में मानहानि का केस किया है, जिसमें अब तक गहलोत को राहत नहीं मिली है। राजनीतिक कारणों से राजस्थान सरकार इस केस को सीबीआई को सौंप नहीं रही है, जबकि मल्टी स्टेट सोसाइटी होने के कारण इसकी जांच सीबीआई द्वारा नियमित जमा पर प्रतिबंध योजना अधिनियम 2019 के तहत की जानी चाहिए।

मंडावरी में भाजपा प्रत्याशी पर अज्ञात लोगों ने हमला किया

भाजपा प्रत्याशी रामनिवास मीणा ने घटना की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई तथा उनके समर्थकों ने थाने में भारी हंगामा किया

- बताया जाता है कि, चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद जब मीणा अपने समर्थकों के साथ घर-घर जाकर प्रचार कर रहे थे, तब अज्ञात हमलावरों ने मीणा पर हमला कर दिया, उनके वाहन में भी तोड़ फोड़ की।

मंडावरी, 24 नवम्बर (निस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रामविलास मीणा पर मंडावरी थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव में अज्ञात लोगों ने हमला कर उनके वाहन में तोड़फोड़ की। इसके बाद मीणा के समर्थकों ने थाने में भारी हंगामा कर दिया। गुरुवार शाम 6 बजे चुनाव प्रचार पर रोक लगने के बाद जब भाजपा प्रत्याशी मीणा किशोरपुरा गांव से होकर डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे थे, तब उनकी गाड़ी पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया व तोड़फोड़ की।

भाजपा प्रत्याशी द्वारा मंडावरी थाने पर मामला दर्ज कराया गया है। थाने में भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने हमला एवं तोड़फोड़ की घटना के विरोध में जम कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। जिस समय भाजपा प्रत्याशी के समर्थक थाने पर हंगामा कर रहे थे तब एक पुलिसकर्मी ने हंगामे का वीडियो बनाने की कोशिश की जिस पर मीणा समर्थकों व पुलिस के बीच और तेज झड़प हो गई। मीणा समर्थकों द्वारा पुलिस पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए थाने में करीब 3 घंटे से ज्यादा रुक कर विरोध जताया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम नरेंद्र मीणा एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक रामचंद्र नेहरा एवं डिप्टी एसपी अरविंद कुमार गोयल थाने पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने भाजपा प्रत्याशी को समझाया तब जाकर मामला जो रात दस बजे शुरु हुआ था, रात डेढ़ बजे शांत हुआ।

पायलट की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1 दिन पहले टोंक विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार सचिन पायलट ने राजस्थान की जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी बातों को भुलाकर हम सब लोग मिलकर राजस्थान में नया इतिहास बनाने के लिए कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान करें। सचिन पायलट ने कहा कि मैं राजस्थान के सभी मतदाताओं के साथ, उन क्षेत्रों के मतदाताओं से भी अपील करना चाहता हूं जहां मैं नहीं पहुंच सका। ऐसे में आप सभी मिलकर कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान करें। सचिन पायलट की ओर से की गई इस अपील को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी अपने एक्स हैंडल से रीपोस्ट किया।

'विश्व कप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगे होर्डिंग्स हटाकर विश्व कप वाले होर्डिंग्स लगा दिए जाते।

उक्त नेता ने अपने फोन पर सुप्रिया को एक पोस्टर की तस्वीर भी दिखाई, जिसमें मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहन रखी थी और उनके हाथ में ट्रॉफी और चेहरे पर बड़ी मुस्कुराहट थी दूसरे हाथ से "विक्ट्री" का निशान बना रहे थे।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि, भारतीय टीम को देश के कुछ प्रदेशों की राजधानियों में खुली बस में घुमाने का भी प्रस्ताव था, जिसमें जयपुर भी शामिल था। तस्वीर शेयर करने की श्रीनेत की प्रार्थना पर उक्त नेता ने यह कहते हुए इंकार कर दिया कि यह "तस्वीर" कुछ ही लोगों के पास है, मैं फंस जाऊंगा वरना मैं आपको जरूर दे देता। भाजता नेता ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के साथ भारतीय खिलाड़ियों का जयपुर में रोड शो कराने की भी योजना थी, जिसमें आई.सी.सी. ट्रॉफी भी रखी थी।

रोचक बात यह है कि उक्त नेता ने यह योजना और तस्वीर सुप्रिया श्रीनेत से साझा की और कहा कि यह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का टॉप सीक्रेट है वे इसके बारे में किसी को भी न बताएं।

हिण्डौन में विधायक भरोसीलाल पर बदमाशों ने हमला किया

विधायक की आँख व मुंह पर चोट आई, घटना का ब्यौरा देते हुए भरोसी लाल जाटव रो पड़े

- कांग्रेस सरकार में मंत्री भरोसी लाल के पुत्र बृजेश जाटव हिण्डौन से बसपा के प्रत्याशी हैं।
- बताया जाता है कि, बदमाशों ने स्वागत करने के नाम पर गाड़ी रूकवाई, जैसे ही भरोसी लाल जाटव गाड़ी से उतरे तो उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।
- भरोसी लाल ने आरोप लगाया कि, हमलावर कांग्रेस प्रत्याशी अनीता जाटव के पक्ष में नारे लगा रहे थे।

हिण्डौन सिटी, (कासं)। हिण्डौन विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व मंत्री भरोसी लाल जाटव पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने हमला कर घायल कर दिया। घटना की जानकारी देते समय विधायक भरोसी लाल जाटव मीडिया के सामने रो पड़े, लोगों ने उन्हें ढ ढ स बंधाया। घटना को लेकर स्थानीय जनता व विधायक के समर्थकों में रोष व्याप्त है। ज्ञात रहे कि विधायक भरोसी लाल जाटव के पुत्र बृजेश जाटव हिण्डौन विधानसभा क्षेत्र से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, हिण्डौन विधायक भरोसी लाल जाटव अपने पुत्र बृजेश जाटव के लिए चुनाव प्रचार कर गुरुवार शाम को कुढावल गांव से वापस लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि, रास्ते में कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को स्वागत करने के नाम पर रोका। वे जैसे ही गाड़ी से उतरे कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का मुक्की की तथा सड़क पर गिरा दिया। जिससे उनकी आंख व मुंह पर चोट आई। विधायक भरोसी लाल जाटव बीमारी के कारण बोल नहीं सकते इसलिए उन्होंने कागज पर लिखकर बताया कि, आरोपी कांग्रेस प्रत्याशी अनीता जाटव के नारे लगा रहे थे। घटना के तुरंत बाद विधायक के सुरक्षाकर्मी ने उन्हें सड़क से उठाकर गाड़ी में बैठाया और सुरक्षित घर लेकर आए। मामले में अभी विधायक की ओर से कोई प्राथमिक दर्ज नहीं कराई गई है।

शुक्रवार को समर्थकों के साथ घटनाक्रम की पूरी जानकारी मीडिया को देते समय भरोसी लाल फूट-फूट कर रो पड़े। वहां उपस्थित लोगों ने विधायक पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि, लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है।

इस घटना को लेकर बसपा प्रत्याशी व विधायक भरोसी लाल जाटव के पुत्र बृजेश जाटव ने कहा कि, उनके पिता पर कायरतापूर्ण हमला किया गया है इससे वह डरेंगे और घबराएंगे नहीं। जनता उनके साथ है। उन्होंने यह भी बताया कि, गत रात्रि को ही जब वे करसौली गांव में चुनाव प्रचार के लिए गए थे तब वहां भी कुछ उपद्रवी लोगों ने उनके साथ अभद्रता की और पथराव करने का प्रयास किया।

...ताकि अपाहिजों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"इम्प्रेशन" नहीं छोड़ना चाहता था कि, फ्रांस के वेटर ईमानदार नहीं चोर हैं, और चेंज लेकर भाग जाते हैं।" अमेरिकी टूरिस्ट ने भी जवाब दिया, "मैंने तुम्हारे ऊपर पैमैन्ट लेने के लिये दबाव डाला, क्योंकि दो स्टॉप के बाद मुझे भी उतरना था, मैं यह "इम्प्रैशन" नहीं छोड़ना चाहता था कि, अमेरिकी टूरिस्ट बड़ी चालाकी से बिना पेमैन्ट किये वाइन पी गया और फिर ट्रेन से उतर गया। मैं अपने देश के टूरिस्ट की छवि, फ्रांस के वेटर के सामने कतई नहीं गिरने देना चाहता था।"

मु.मंत्री गहलोत ने जितनी भी "रियायतें" चुनाव की पूर्व संध्या पर जनता में बांटी, वो सिद्धांत रूप से पूर्णतया खरी हैं, बड़ी लोकलुभावन हैं, सिद्धांत रूप से उनमें कमी नहीं निकाली जा सकती। गरीब की, दलित की, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की मदद करने का नारा कभी विवादित नहीं हो सकता। पर, अगर नारों का मकसद केवल चुनाव में वोट बटोरना ही है, जैसा लग रहा है, तो यह दलित, गरीब वर्ग की कमजोर स्थिति का उपहास ही है। ये "योजनाएं" बहुत देर से शुरू हुईं, सरकार के जाने के समय से कुछ महीनों पहले। बजट का प्रावधान पैसे का इंतजाम कहां है, क्योंकि सचिवालय में चर्चा है कि, अगले माह की तनख्वाह भी देर से मिली सरकारी कर्मचारियों को, क्योंकि वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है।

बहरहाल, अगर जनता का विश्वास सरकार के वादों पर, उसके नारों पर से उठ गया तो, अक्षुण्ण हानि होगी, क्योंकि नारे व सोच पवित्र हैं उनका क्रियान्वयन कमजोर व लचर है।

चिरंजीवी योजना का पैकेज चाहे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई थी। परन्तु सरकार और प्राईवेट अस्पतालों के बीच अविश्वास के कारण ही आर.टी.एच. के खिलाफ डॉक्टरों ने रैली निकली थी और फल स्वरूप राज्य सरकार ने इस अधिनियम को लागू करने के लिए बजट आज की तारीख तक भी तय नहीं किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के बड़े शहरों में बने मल्टी-स्पैशलिटी अस्पतालों में सरकारी योजनाओं की दरों और भुगतान से संबंधित मुद्दों के कारण ही पूरी तरह लागू नहीं किया जा रहा है। बल्कि छोटे शहरों में भी बने अस्पताल चिरंजीवी की अव्यवहारिक दरों से परेशान हैं। करौली जिले में बने एस.आर. अस्पताल के डॉ. जे.पी. गुप्ता ने कहा कि चिरंजीवी के तहत 'जनरल मैडिसिन' और 'पीडिएटरिक मैडिसिन' के पैकेजों की दरें बहुत ही अव्यवारिक है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे भर्ती रहे मरीज़ के लिए अस्पताल को केवल 1800 रूपये मिलते हैं, "पिछले वर्ष तक यह दर 1000 रूपये थी।" उन्होंने कहा कि इन दरों पर कोई प्राईवेट अस्पताल कार्य नहीं कर सकता।

उल्लेखनीय है कि चुनावी वर्ष के दबाव और आर.टी.एच. के खिलाफ हुई डॉक्टरों की रैली की शर्मिंदगी को देखते हुए राज्य सरकार ने चिरंजीवी योजना के तहत कई मेडिकल पैकेजों की दरों में बदलाव किया और उनका भुगतान भी समय पर शुरु किया। फलस्वरुप वर्ष 2022-23 में प्राईवेट अस्पतालों को 1146 करोड़ रुपए के 'क्लेम' का भुगतान किया गया।

डॉ. जे.पी. गुप्ता ने बताया कि चिरंजीवी के अन्तर्गत पिछले केवल 4-6 महीनों में कई पैकेजों की दरें बदली गई है, जिनमें से ज्यादातर "कॉमप्लीकेटिकड सर्जरी" से संबंधित पैकेज हैं। इसलिए बडे शहरों में अस्पताल अब चिरंजीवी योजना के तहत मरीजों को भर्ती करने लगे है, परन्तु यह स्थिति भी आदर्श स्थित नहीं है। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना के अन्तर्गत किसी भी मेडिकल पैकेज का कुल खर्च 25 लाख रूपये नहीं होता है इसलिए शायद प्रदेश में किसी भी लाभार्थी पर 25 लाख रूपये खर्च नहीं हुए है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दरें तय करने से पहले, "नॉन-मैडिकोज़" या सरकारी अफ़सरों से ही सुलह मशवरा किया होगा, बजाए डॉक्टर्स से।

शिव कुमार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिवीजन बैंच में कहा कि वह अपील पर दो सप्ताह के भीतर अपना निर्णय दे। अब इसी अपील पर आगामी 29 नवम्बर को सुनवाई होगी।

इस बीच कर्नाटक सरकार ने सी.बी.आई. को दी गई अनुमति को वापस लेने का कदम उठा दिया है।

कर्नाटक के विधि एवं संसदीय कार्यमंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि सरकार ने सी.बी.आई. को केस हैण्डओवर ना करने का निर्णय लेने से पूर्व तत्कालीन एवं वर्तमान महाधिवक्ता की राय भी ली।

पाटिल ने कहा कि "मंत्रिमण्डलीय निर्णय के बाद अगले कुछ दिनों में प्रशासनिक स्वीकृति भी दे दी जाएगी।" यह पूछे जाने पर कि क्या यह पक्षपात नहीं है, पाटिल ने कहा कि कानूनी पहलू का ध्यान रखा गया है और हमने नियम कायदों का ही अनुसरण किया है।

आयकर विभाग व प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अलग-अलग जांच किए जाने के बाद सी.बी.आई. ने प्रिवैन्शन ऑफ करप्शन (पी.सी.) के तहत शिवकुमार के विरुद्ध केस दायर किया था। राज्य सरकार ने शिवकुमार के विरुद्ध अभियोजन की कार्यवाही शुरु कर दी थी, जिसे बाद में सी.बी.आई. के सुपुर्द कर दिया गया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600